हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 330 | बेमेतरा, गुरुवार 17 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के डोडा में गहरी खाई में गिरा टेम्पो ट्रैवलर, 5 लोगों की मौत

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सुबह एक टेम्पो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में 5 यात्रियों की मौत हुई है और 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा भरत-बागला मार्ग पर शहर से 20 किलोमीटर दूर हुआ है। बताया जा रहा है कि घटना के समय वाहन में लगभग 20 यात्री सवार थे। बताया जा रहा है कि पहाड़ी क्षेत्र से गुजरते समय वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर खाई में लुढ़क गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद लोगों को खाई से निकालकर डोडा के सरकारी अस्पताल में भिजवाया गया। केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने घटना को लेकर एक्स पर जानकारी दी।

भारी बारिश से कई राज्यों में बाढ़ के हालात, उफान पर नदी-नाले

नईदिल्ली। पूरे उत्तर भारत में मानूसनी बारिश जमकर हो रही है। इसके चलते अधिकांश राज्यों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने मंगलवार को दिल्ली समेत राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी से भारी बारिश के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 17 जुलाई तक देश के अधिकांश इलाकों में बारिश के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। राजस्थान में मानसून चरम पर है। यहां सोमवार से रुक-रुक कर कभी हल्की तो कभी तेज बारिश हो रही है। इससे कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। प्रदेश में बारिश जनित हादसों में पिछले 24 घंटों में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि जयपुर में भारी बारिश के कारण सड़क धंस गई।

लापता आईसीआईसीआई बैंक के प्रबंधक का शव कुएं में मिला, पास खड़ी मिली स्कूटर

पटना। बिहार के पटना में लापता आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के शाखा प्रबंधक अभिषेक वरुण का शव बेउर इलाके में एक कुएं के अंदर पाया गया है। उनकी चप्पल और स्कूटी भी घटनास्थल पर खड़ी मिली। अभिषेक कंकड़बाग के निवासी थे और रविवार रात से लापता थे। वह अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल हुए थे, लेकिन रात में घर नहीं पहुंचे। उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों को पहले ही घर भेज दिया था। पुलिस जांच कर रही है। अभिषेक पत्नी ने पुलिस को बताया कि वे रविवार को रामकृष्ण नगर इलाके में एक पारिवारिक पार्टी में शामिल हुए थे। समारोह के बाद अभिषेक ने उनको बच्चों के साथ घर भेज दिया था, लेकिन खुद वहीं रुक गए। रात में उनकी पत्नी ने फोन किया, तो उन्होंने बताया कि वह रास्ते में हैं। तड़के 3 बजे दोबारा फोन करने पर अभिषेक ने फोन उठाया और कहा कि उनका एक्सीडेंट हो गया है। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया। परिवार ने सुबह पुलिस को घटना की सूचना दी और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

विधानसभा में सुनील सोनी ने कहा....

राज्य में आए दिन हो रहे साइबर क्राइम विशेषज्ञ की नियुक्ति का अता पता नहीं

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में लगातार हो रहे साइबर अपराध के मुद्दे को भाजपा विधायक सुनील सोनी ने आज विधानसभा में उठाया। सोनी ने कहा कि प्रदेश में आए दिन साइबर अपराध हो रहे हैं और अब तक किसी साइबर विशेषज्ञ की नियुक्ति नहीं हो पाई है। प्रश्नकाल में सुनील सोनी का सवाल था कि जनवरी 2024 से जून 2025 तक छत्तीसगढ़ में साइबर अपराध के कुल कितने केस दर्ज किए गए? उन पर लगाम लगाने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है? क्या इस अपराध में बैंक कर्मियों की भी भूमिका पाई गई है? जनवरी 2024 से 20 जून 2025 तक कुल कितनी राशि के साइबर अपराध के प्रकरण दर्ज किए गए हैं? राजधानी रायपुर में साईबर अपराध के कुल कितने केस दर्ज हुए हैं? उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा की ओर से जवाब आया कि प्रश्नाधीन अवधि में छत्तीसगढ़ में साइबर अपराध के कुल 1301 अपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कुछ अपराधों में बैंक कर्मियों की भूमिका पाई गई है। 107 पीड़ितों को उनकी राशि वापस दिलाई गई है। राजधानी रायपुर में साइबर अपराध के कुल 147 केस दर्ज हुए हैं। सोनी ने पूछा कि इतने बड़े राज्य में कोई साइबर विशेषज्ञ नियुक्त नहीं किया गया है। क्या इस काम के लिए किसी आईपीएस स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है? साइबर थाने कहां-कहां पर हैं? उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दिसम्बर 2024 में राजधानी रायपुर में आधुनिक तकनीकी से लेस साइबर भवन का उद्घाटन हुआ है। आईपीएस स्तर के अधिकारी ही

साइबर विशेषज्ञ की भूमिका में रहेंगे। अभी इनपैनलमेंट की प्रक्रिया कर रहे हैं। साइबर अपराध पर रोक के लिए एक आईपीएस अफसर एवं 5 वरिष्ठ अधिकारी ट्रेनिंग लेकर आए हैं। जिलों में साइबर थाने नहीं साइबर सेल का ज़रूर गठन किया गया है। सोनी ने पूछा कि प्रदेश में जो रेगूलर थाने हैं वो साइबर अपराधों को देख पाने में क्या सक्षम हैं? मीडिया से मालूम हुआ कि साइबर अपराध नियंत्रण केन्द्र का एड्रेस पीएचक्यू दिया हुआ है। क्या साइबर अपराध में थाने का स्टाफ विवेचना कर किसी को गिरफ्तार करने में सक्षम है? उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 साइबर थानों की स्वीकृति मिली हुई है। 5 का काम चल रहा है। सोनी ने कहा कि आपने अपने जवाब में स्वीकार किया कि साइबर अपराधों में बैंक के कर्मचारियों की भी संलिप्तता है। अब तक साइबर अपराध में संलिप्त कितने अधिकारियों-कर्मचारियों को जेल में डाला गया है? उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर 1, दुर्ग 1 एवं बिलासपुर 1 कुल 3 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन 3 मामलों में 7 लोगों को जेल में डाला गया है। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ राज्य का रजत जयंती वर्ष मनाने जा रहे हैं। ट्रेनिंग के लिए यहां के पुलिस अफसरों को हैदराबाद भेजा गया। पिछले डेढ़ साल में राज्य में 107 लोग साइबर ठगी के शिकार हो चुके हैं। आपने बताया कि ठगी के शिकार लोगों को 3 करोड़ की राशि वापस दिलाई गई है। यह आंकड़ा काफी कम लगता है। इस पर नियंत्रण के लिए आईजी स्तर के अधिकारी को नियुक्त किया जाना चाहिए।

सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा में कैंसर जांच मशीन तक ठीक नहीं-शेषराज हरवंश

रायपुर। राजधानी रायपुर के अम्बेडकर अस्पताल (मेकाहारा) में जांच उपकरणों के खराब पड़े रहने का मामला आज विधानसभा में कांग्रेस विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश ने उठाया। श्रीमती हरवंश ने चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश के इस सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में कैंसर की जांच करने वाली मशीन तक ठीक नहीं। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश का सवाल था कि प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा रायपुर में मरीजों को जांच की सुविधा देने हेतु कुल छोटी, बड़ी एवं मध्यम जांच मशीनें कितनी मात्रा में लगाई गई हैं? जून 2025 की स्थिति में कितनी जांच मशीनें चालू हैं? कितनी बन्द हैं?

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से

आठ विधेयकों को पेश करने की तैयारी में केंद्र सरकार.....

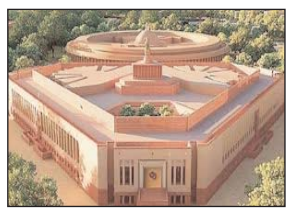

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मानसून सत्र में सरकार आठ नए विधेयक पेश करेगी। इनमें मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से जुड़ा विधेयक भी शामिल है। सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने पर विचार कर रही है। इससे साफ है कि सरकार की इस उत्तर पूर्वी राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन हटाने की कोई योजना नहीं है। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। राष्ट्रपति शासन के लिए सरकार को हर छह महीने में संसद की मंजूरी लेनी होती है। फिलहाल राज्य में राष्ट्रपति शासन की समयसीमा 13 अगस्त है। संसद के आगामी सत्र में सरकार मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय संस्थान प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2025, कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025, भू-विरासत स्थल एवं भू-अवशेष (संरक्षण एवं रखरखाव) विधेयक 2025, खान एवं खान (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को लोकसभा में पेश और पारित करा सकती है।

तेलंगाना के हैदराबाद में मालकपेट इलाके में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सीपीआई नेता के चंदू नाइक की गोली मारकर हत्या कर दिए जाने के मामले की जांच करते एक पुलिस अधिकारी।

महाराष्ट्र में आगामी नगर निकाय चुनाव में

शिवसेना ने रिपब्लिकन सेना के साथ गठबंधन कर लिया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र राजनीति: डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पोते आनंदराज अंबेडकर की रिपब्लिकन सेना ने महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन किया है। बुधवार को मुंबई में आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की गई। इस कदम से मुंबई समेत शहरी केंद्रों में दलित मतों के एकजुट होने की उम्मीद है। शिंदे ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, ''हमें आगामी चुनाव के लिए आनंदराज आंबेडकर और रिपब्लिकन सेना के साथ हाथ मिलाने पर गर्व है। यह साझेदारी साझा मूल्यों और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है। हम साथ मिलकर समावेशी विकास और हाशिए पर पड़े लोगों की मुखर आवाज सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे। इस गठबंधन से मुंबई और अन्य शहरों में नगर निकायों के साथ-साथ जिला परिषदों के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

देश में विचारधारा की लड़ाई चल रही

वोटर लिस्ट से लाखों लोगों को हटाया जा रहा-सांसद राहुल गांधी

गुवाहाटी/ एजेंसी

देश में विचारधाराओं की जंग लगातार तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम के छयगांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ आरएसएस की विचारधारा है जो नफरत और हिंसा फैलाती है, और दूसरी तरफकांग्रेस की विचारधारा है जो सत्य और अहिंसा पर आधारित है। राहुल गांधी ने कहा कि असम की जनता सच्चाई जानती है और आने वाले चुनावों में कांग्रेस भारी जीत दर्ज करेगी। उन्होंने छयगांव की सभा में कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि एक नई टीम बनाई गई है, काम शुरू हो चुका है और जनता जल्द ही इसके नतीजे देखेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताते हुए उन्हें शेर और शेरनियां कहा। अपने भाषण में राहुल गांधी ने देश में जारी वैचारिक संघर्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि देश में एक विचारधारा विभाजन की है, वहीं दूसरी विचारधारा कांग्रेस की है, जो एकता और भाईचारे की बात करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच हर नागरिक को जोड़ने की है, जबकि आरएसएस और भाजपा की राजनीति समाज को बांटने की कोशिश करती है। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी कांग्रेस पार्टी के शेर और शेरनियां हैं। आप किसी से नहीं डरते। आप ही हमारी ताकत हैं। कांग्रेस की विचारधारा आपके डीएनए में है।

स्वर्ण मंदिर के लंगर हॉल को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी सुरक्षा हाई अलर्ट

अमृतसर। स्वर्ण मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी आज ईमेल के माध्यम से मिली। धमकी मिलने के बाद गोल्डन टेंपल के अंदर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की टास्क फोर्स और बाहर पुलिस तैनात की गई है। इस पूरे मामले के बारे में एसजीपीसी सदस्य कुलवंत सिंह मनन ने बताया कि धमकी के बाद गोल्डन टेंपल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। टास्क फोर्स को स्पेशल हिदायत दी गई है कि संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोक जा सके।

उद्धव ठाकरे को सीएम फडणवीस ने दिया खुला ऑफर

चाहो तो साथ आ जाओ....2029 तक विपक्ष में नहीं जाएंगे-देवेन्द्र

पुणे/ एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बड़ा बयान देते हुए कहा कि 2029 तक भाजपा या उनका गठबंधन विपक्ष में जाने वाला नहीं है। उन्होंने शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे को इशारों में सत्ता पक्ष में शामिल होने का ऑफर भी दिया। यह बयान उस वक्त आया है जब बृहन्मुंबई महानगर पालिका चुनाव नजदीक हैं और राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। भाजपा की यह रणनीति बीएमसी चुनाव से पहले शिवसेना (उद्धव गुट) की स्थिति को कमजोर करने का प्रयास भी हो सकती है। विधान परिषद सत्र के दौरान बोलते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कम से कम 2029 तक हमारे विपक्ष में जाने की कोई संभावना नहीं है। यह बयान राजनीतिक आत्मविश्वास को दर्शाता है। भरी विधान परिषद में उन्होंने कि उद्धव जी चाहें तो इस तरफआने के बारे में सोच सकते हैं। कम से कम 2029 तक तो हम विपक्ष में नहीं आएंगे। ऐसे में अब एक और संभावित गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह विचार एक अलग तरीके से किया जा सकता है, जिससे यह बयान और ज्यादा सियासी मायनों से भर गया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब मुंबई की बीएमसी चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पिछली बार बीएमसी में शिवसेना और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर थी।

पीएम धन-धान्य कृषि योजना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी,हर साल खर्च होंगे 24000 करोड़

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह एलान किया है। सरकार ने एनएलसीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावे कैबिनेट ने एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपये की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है। मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर वर्ष 24,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसमें 100 जिले शामिल होंगे। केंद्रीय बजट में घोषित यह कार्यक्रम 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करेगा और फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने मदद देगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी साझा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम धन-धान्य कृषि योजना से फसल के बाद भंडारण में वृद्धि होगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा और कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की संभावना है। सरकार ने बुधवार को एनएलसी इंडिया को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनआईआरएल में 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की अनुमति दे दी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की ओर से लिया गया। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एनएलसी इंडिया

लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से विशेष छूट देने को मंजूरी दे दी है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, इस रणनीतिक निर्णय से एनएलसीआईएल को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में मदद मिलेगी। इसके तहत एनआईआरएल विभिन्न परियोजनाओं में सीधे या संयुक्त उद्यम का गठन कर निवेश कर सकेगी।इसके लिए पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में 20000 करोड़ रुपये के निवेश की मंजूरी- केंद्र सरकार ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी को 2032 तक 60 गीगावाट क्षमता हासिल करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विस्तार पर 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की अनुमति दे दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) में लिए गए निर्णय के बारे में बताया। एनटीपीसी के लिए पहले स्वीकृत निर्धारित सीमा 7,500 करोड़ रुपये थी। सरकार की ओर से बताया गया है कि एनटीपीसी और एनजीईएल को दी गई अनुमति देश में नवीकरणीय परियोजनाओं के त्वरित विकास में मदद करेगी। बयान में कहा गया है कि यह कदम बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पूरे देश में चौबीसों घंटे विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने में निवेश सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर वापसी से जुड़ा प्रस्ताव भी पारित- बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर भी एक प्रस्ताव पारित किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह स्पेस की दिशा में हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन) से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की वापसी पर मंत्रिमंडल ने एक बड़ा संकल्प पारित किया है। 15 जुलाई को भारत की अनंत आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अन्तरिक्ष यात्रा से सकुशल धरती पर लौटे हैं। ये समूचे देश के लिए गर्व, गौरव और उल्लास का अवसर है।

''गौ सेवा संकल्प अभियान'' जिले में गायों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण को बढ़ावा देने चलेगा अभियान, कलेक्टर ने की आमजनों से सहभागिता की अपील

मुंगेली /मूक पत्रिका

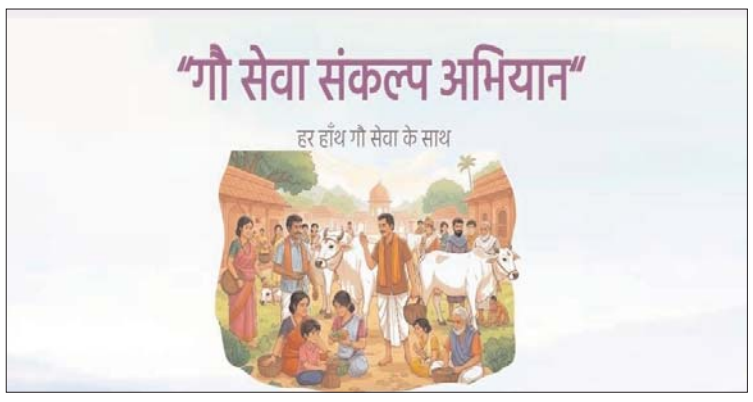

जिला प्रशासन द्वारा गायों की सेवा एवं संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ''गौ सेवा संकल्प अभियान'' की शुरूआत की गई है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने औपचारिक रूप से इस अभियान की शुरूआत करते हुए आमजनों से गायों को बचाने, गायों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सहभागिता की अपील की। उन्होंने इस संबंध में जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गौ सेवा संकल्प अभियान के क्रियान्वयन के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि गाय माता के समान है, उसके प्रति सम्मान का भाव जागृत करने के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने लोगों को गाय को गोद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने कहा कि इस विशेष पहल के अंतर्गत परित्यक्त एवं बेसहारा गायों के लिए चारा, पानी, चिकित्सा सुविधा और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के ठोस प्रयास किए जाएंगे। जिला प्रशासन, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों और पशु चिकित्सा विभाग के समन्वय से यह अभियान चरणबद्ध रूप से संचालित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गाय के प्रति करुणा एवं जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि गौवंश के सड़क पर होने से दुर्घटना की आशंका रहती है। सड़क से गायों को हटाएं और इसके लिए लोगों को जागरूक करें, ताकि सड़क दुर्घटना कम हो। उन्होंने सेवा भावना का दृष्टिकोण विकसित करते हुए गायों की सुरक्षा के लिए ईमानदार प्रयास करने और इस पहल को जनभागीदारी तथा जनअभियान के रूप में लेने व गॉवों में चौपाल लगाकर गौ सेवा के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करने प्रोत्साहित किया। उन्होंने ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम और रैलियां आयोजित करने तथा युवाओं, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों और विद्यालयों की भागीदारी सुनिश्चित करने कहा।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गाय का पर्यावरणीय, धार्मिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक महत्व है, गाय हमारी संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने अभियान के महत्व बताते हुए कहा कि इसे मिशन के रूप में ले और संवेदनशीलता से गौ सेवा करें। वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार ने कहा कि गौ सेवा न केवल हमारी परंपरा का हिस्सा है, बल्कि यह करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। इस अभियान में समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है, तभी इसका उद्देश्य सफल हो सकेगा। जिला पंचायत सीईओ ने गौ सेवा संकल्प अभियान के कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि बेसहारा गायों को आश्रय प्रदान करना और उनकी देखभाल करना सबसे बड़ी सेवा है। इस मुहिम में हम सभी को शामिल होना चाहिए। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी. एल. यादव एवं मेनका प्रधान, मुंगेली एसडीएम पार्वती पटेल, पथरिया एसडीएम अजय शतरंज सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत आत्मरक्षा का प्रशिक्षण,1050 से अधिक बालिकाएं हो रहीं सशक्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

परियोजना-बेरला, जिला बेमेतरा में महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) द्वारा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना अंतर्गत किशोरी बालिकाओं को आत्मरक्षा का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह एक माह का प्रशिक्षण शासकीय कन्या शाला बेरला एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कुसमी में संचालित हो रहा है, जिसमें अब तक 1050 से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। यह प्रशिक्षण दी वॉर काई मार्शल आर्ट्स एंड सेल्फ डिफेंस एकेडमी, बेमेतरा के अनुभवी मास्टर ट्रेनर भानु प्रताप साहू द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में किकबॉक्सिंग, वुशू, कराते, पंच, ब्लॉक, काता, फिजिकल फिटनेस जैसे मार्शल आर्ट्स के साथ-साथ आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए जा रहे हैं। प्रशिक्षण से बालिकाओं में सेल्फ डिसिप्लिन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, सामाजिक व्यवहार और मोबाइल की लत से मुक्ति जैसे गुणों का भी विकास हो रहा है। कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन तथा महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के निर्देशन में यह प्रशिक्षण सत्र संचालित हो रहा है। जिला मिशन समन्वयक श्री राजीव कुमार वर्मा ने बताया कि मास्टर ट्रेनर भानु प्रताप साहू पिछले 19 वर्षों से मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे 3 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं, जिसमें से 2 स्वर्ण पदक प्राप्त किए हैं। उन्होंने 17 राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और 6 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक अर्जित किए हैं। राज्य स्तर पर उन्होंने 13 स्वर्ण व 1 रजत पदक सहित 16 बार सहभागिता की है। संस्था द्वारा अब तक 643 बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिनमें से 193 ने स्वर्ण पदक, 167 ने रजत और 143 ने कांस्य पदक अर्जित किए हैं। इससे बालिकाओं को न केवल सुरक्षा के प्रति सजग किया जा रहा है, बल्कि उन्हें सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बनाया जा रहा है, जिससे वे हर चुनौती का सामना दृढ़ता से कर सकें।

लगातार तीसरे दिन सदन मे गूंजे अनुज के सवाल, उठाया जनहित के मुद्दे

पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया, प्रधानमंत्री आवास, अंबेडकर अस्पताल मे पार्किंग ठेका तथा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के संबंध मे किये सवाल

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ विधान सभा मानसून सत्र 2025 के तीसरे दिन धरसीवा विधायक अनुज शर्मा ने प्रदेश व क्षेत्र के जनहित के मुद्दों को सदन मे उठाया। शर्मा ने अपने पहले प्रश्न मे प्रदेश में पुलिस विभाग में लंबित आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के संबंध मे प्रश्न किया जिसमे गृहमंत्री ने जवाब दिया कि जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग के 5976 पदों कि भर्ती हेतु दस्तावेजों/शारीरिक दक्षता परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण हो गयी हैं। लिखित परीक्षा व्यापम के माध्यम से कराने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन हैं। भर्ती प्रक्रिया जल्द ही पूर्ण करने का जवाब प्राप्त हुआ है। विधायक अनुज ने अपने दूसरे प्रश्न मे मेकाहारा के सुरक्षा एवं गाड़ी पार्किंग हेतु निविदा के संबंध मे पूछा कि ठेका एजेंसी के विरुद्ध बार-बार शिकायत मिलने के बाद भी उन्हे उनके निविदा अवधी मे वृद्धि किये जाने के संबंध मे प्रश्न किया जिसके जवाब मे स्वास्थ मंत्री से जवाब प्राप्त हुआ हैं कि निविदा 30-6-24 तक किया गया था कार्य संतोषजनक पाए जाने पर नवीन निविदा तक के लिए वृद्धि की गयी हैं। अन्य प्रश्न में धरसींवा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में पूछा जिसमे मंत्री जी से कुल 1212 आवेदन मे से 349 आवासों की स्वीकृति हुई हैं इसके साथ ही क्षेत्र के मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना मे आने वाली सड़कों व अन्य जर्जर सड़कों के संबंध मे प्रश्न करते हुए मरम्मत/विनिर्माण एवं संधारण कार्यो की जानकारी लिए।इसके अलवा ध्यानाकर्षण के माधयम से नलवा स्टील एंड पॉवर लिमिटेड की स्थापना से होने वाले जनस्वास्थ एवं जनभावनाओ को ध्यान मे रखते हुए उक्त उद्योग को अनुमति नहीं देने के संबंध में सदन का ध्यान आकृष्ट किया।

स्वच्छता कर्मियों का नमस्ते दिवस पर नगर पालिका में हुआ सम्मान

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को समर्थन देते हुए चांपा नगर पालिका परिषद ने ÷नमस्ते दिवस÷ का आयोजन किया। इस अवसर पर नगर पालिका कार्यालय में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर सफाई कर्मी, स्वच्छता दीदी और सिवरेज टैंक की सफाई करने वाले कर्मचारियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने की, जहां पार्षदों की उपस्थिति में नमस्ते दिवस का महत्व बताया गया। उन्होंने कहा कि यह दिवस सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि उन कर्मवीरों को धन्यवाद कहने का अवसर है जो शहर को स्वच्छ रखने में दिन-रात मेहनत करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मियों को सुरक्षा उपकरणों के उपयोग, पीपीई किट, हेलमेट, दस्ताने और अन्य सुरक्षात्मक साधनों के प्रयोग के प्रति जागरूक किया गया।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी भोला सिंह ठाकुर ने केंद्र सरकार की योजनाओं के अंतर्गत सफाई कर्मियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने बताया कि पालिका की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि हर सफाई कर्मी को आवश्यक सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराया जाए।नमस्ते दिवस पर नगर पालिका द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल एक सराहनीय सामाजिक संदेश है, बल्कि यह उन अनसुने नायकों के सम्मान में एक सच्ची श्रद्धांजलि भी है जो हमारे नगर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने में सबसे बड़ी भूमिका निभाते है।

सडक़ बनाने के नाम पर थूक पालिश, जांच रिपोर्ट हो सार्वजनिकः गणेश

गीदम-बारसूर रोड़ की हालत को लेकर युवा कांग्रेस का हल्ला बोल कहा जल्द नहीं हुआ मरम्मत तो होगा जंगी प्रदर्शन जिले की खराब सडक़ें बन रही है दुर्घटना का कारण खराब सडक़ों की मरम्मत व गुणवत्ता जांचने युवा कांग्रेसियों ने सौंपा पीडब्ल्यूडी को ज्ञापन नई सडक़ बनाने के नाम पर पीडब्ल्यूडी विभाग में चल रहा भ्रष्टाचार

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के खस्ताहाल सडक़ों की व्यवस्था सुधारने आज जिला युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा ने लोक निर्माण विभाग के ईई को ज्ञापन सौंपा है। जानकारी देते हुए गणेश दुर्गा ने बताया कि गीदम-बारसूर स्टेट हाईवे की हालत काफी खराब है। सडक़ों पर बड़े-बड़े गढ्ढे हो गए हैं, जिससे लगातार दुर्घटना हो रही है। अभी हाल में ही हुए दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। बारसूर पर्यटन क्षेत्र होने के कारण हर दिन प्रदेश व अन्य राज्यों से सैलानी बारसूर पहुंचते हैं। बारिश की वजह से गढ्ढों में पानी भर चुका है, जिससे दुर्घटना हो रही है। ज्ञापन में कहा गया है कि दंतेवाड़ा शहर में अभी कुछ दिनों पहले पुरानी सडक़ के ऊपर थूक पालिश का काम किया गया, जो गुणवत्ताहीन है। नए सडक़ के नाम पर पुरानी सडक़ पर डामर की परत चढ़ाई गई है जो उखड़ने लगी है। गणेश दुर्गा ने कहा कि दंतेवाड़ा-बचेली नवनिर्मित सडक़ की गुणवत्ता भी काफी खराब है। कई बार विरोध होने के बावजूद सड़क निर्माण में गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया। वहीं कलेक्टोरेट से कॉलेज तक सडक़ पूरी तरह खराब हो चुकी है। इस सडक़ पर जल्द से जल्द पेंच वर्क की जरूरत है। सभी सडक़ों की समय रहते गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए और उसकी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, जिससे जनता को सच्चाई पता चल सके। युवा जिलाध्यक्ष गणेश ने आगे कहा कि भाजपा के राज में सडक़ों के निर्माण व मरम्मत सिर्फ पैसे का गबन किया जा रहा है। अंदुरूनी इलाकों के साथ शहरी क्षेत्रों में बन रहे सडक़ों में भी जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। लोक निर्माण विभाग की कई ऐसी सडक़े हैं जो सिर्फ कागजों में ही बनकर तैयारी हुई है, जिसे लेकर आगामी दिनों में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के बाद लोक निर्माण विभाग के ईई ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर सभी सकड़ों को दुरस्थ किया जाएगा। जिलाध्यक्ष गणेश ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि दिए समय अनुसार अगर सडक़ों का मरम्मत नहीं किया गया तो युवा कांग्रेस आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान जिला महामंत्री विमल सलाम, अजय मरकाम,आसिफ रजा, आकाश विश्वास, महादेव ठाकुर, गायेंद्र सिंह,भोलू यादव, उमेश राणा, आयुष यादव, वरुण तमो, उमेश लक्ष्मण कुंजाम समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में उबाल – सक्ती में भी फूटा विरोध, गुरु खुशवंत साहेब जी के सुरक्षा की मांग

- सतनामी समाज में आक्रोश – गुरु खुशवंत साहेब पर हमले के विरोध में सक्ती प्रशासन को सौंपा गया ज्ञापन, हमारे गुरु पर हमला बर्दाश्त नहीं' – सक्ती में अखिल सतनाम सेना का विरोध, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सक्ति/मूक पत्रिका

आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब पर बीते दिनों असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले की घटना के विरोध में अखिल भारतीय सतनाम सेना, जिला सक्ति द्वारा विरोध दर्ज किया गया। जिला महामंत्री रवि खाण्डे के नेतृत्व में सतनाम सेना के पदाधिकारियों व समाजजनों का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर कार्यालय पहुँचा और कलेक्टर अमृत विकास तोपनो को ज्ञापन सौंपते हुए घटना के दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा गुरु खुशवंत साहेब को ''+ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की। इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए सतनाम सेना जिला महामंत्री रवि खाण्डे ने कहाः गुरु खुशवंत साहेब केवल विधायक नहीं, बल्कि हमारे गुरु भी हैं। उन पर हुआ हमला केवल एक जनप्रतिनिधि पर नहीं, बल्कि संपूर्ण सतनामी समाज की आस्था पर हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान जांजगीर चापा के जिला अध्यक्ष राजेश्वर बघेल , शनि सूर्यवंशी (जिला मीडिया प्रभारी), जय कुमार लहरे, (मीडिया सलाहकार) पंकज कुर्रे सहित अखिल भारतीय सतनाम सेना के कई पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे। गौरतलब है कि रायपुर,पाटन, बिलासपुर, जांजगर के बाद अब सक्ती में भी सतनामी समाज के लोगों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर विरोध जताया है। राज्यभर में सतनामी समाज द्वारा न्याय व सुरक्षा की मांग को लेकर ज्ञापन देने का सिलसिला तेज़ी से चल रहा है।

कोण्डागांव की बालिका ने ताईवान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर रचा इतिहास, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले की बालिका रंजीता कोरेटी ने ताइपे (ताईवान) में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद बालगृह बालिका कोण्डागांव की रंजीता ने कई देशों के खिलाड़ियों को पराजित करते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस गौरवशाली उपलब्धि पर रंजीता को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह न केवल कोण्डागांव जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि रंजीता जैसी बेटियाँ राज्य की उम्मीद और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं, जो यह सिद्ध कर रही हैं कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ अब वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। रंजीता की इस उपलब्धि के पीछे जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं बालगृह संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सतत मार्गदर्शन और सहयोग से रंजीता मानसिक और शारीरिक रूप से निरंतर सशक्त होती गई। खेलों में विशेष रुचि और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उसे आईटीबीपी के सहयोग से जूडो का प्रशिक्षण दिलवाया गया। रंजीता ने वर्ष 2021 में चंडीगढ़ में आयोजित ओपन नेशनल जूडो टूर्नामेंट में 40 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल यात्रा की प्रभावशाली शुरुआत की। इसके पश्चात् वर्ष 2022 में भोपाल में आयोजित ओपन नेशनल जूडो प्रतियोगिता में रंजीता ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वर्ष 2024 में केरल में आयोजित खेलो इंडिया नेशनल जूडो टूर्नामेंट में 52 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इसी वर्ष महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित खेलो इंडिया रीजनल जूडो प्रतियोगिता में उसने गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके साथ ही त्रिशूर (केरल) में 52 किलोग्राम वर्ग में पुनः स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता को दोहराया। पुणे में आयोजित राष्ट्रीय ओपन नेशनल जूडो चैंपियनशिप में रंजीता ने असम, तेलंगाना, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे प्रमुख राज्यों की खिलाड़ियों को पराजित करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स, पटना (बिहार) में भी उसने जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त कर जिले और राज्य को गौरवान्वित किया।

कलेक्टर ने युवाओं को मतदाता बनने के लिए किया प्रेरित, लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी का दिया संदेश

लोकतंत्र की ओर पहला कदम –छात्राओं के लिए विशेष मतदाता पंजीयन शिविर आयोजित

कलेक्टर ने रंगोली एवं क्विज़ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को दिए प्रोत्साहन स्वरूप उपहार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे बीते बुधवार को जिले के लक्ष्मण प्रसाद वैद्य कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से 18 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के पात्र छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की भागीदारी का महत्व समझाते हुए प्रेरणास्पद संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि वोट देना केवल अधिकार नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। युवा देश का भविष्य हैं और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उनकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि जैसे ही कोई युवा 18 वर्ष की आयु पूर्ण करता है, उसे मतदाता सूची में नाम जुड़वाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी अपील की कि छात्राएं स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार और समाज के लोगों को भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि जब युवा जागरूक होता है, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। हर वोट की कीमत होती है और हमें यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान से वंचित न रहे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थियों की उपस्थिति और दस्तावेजों की पूर्ति के आधार पर नामांकन प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। उन्होंने बताया कि ÷कोई मतदाता न छूटे÷ इस संकल्प के साथ यह विशेष शिविर आयोजित किया गया है ताकि प्रत्येक युवा लोकतांत्रिक प्रणाली में भागीदारी निभा सके। मास्टर ट्रेनर सुनील झा ने बताया कि नामांकन की सुविधा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध है, साथ ही विशेष कैंपों के माध्यम से प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाइन फॉर्म-6 भरना अनिवार्य किया गया था। इसके लिए आधार कार्ड, 10वीं की अंकसूची, पासपोर्ट साइज फोटो तथा परिवार के किसी एक सदस्य का फोटो परिचय पत्र दस्तावेज साथ लाना आवश्यक बताया गया। यह विशेष शिविर मे छात्राओं ने भी नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी छात्राओं को मतदान के महत्व को रचनात्मक ढंग से समझाया गया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्रत्येक मतदाता की भूमिका लोकतंत्र के निर्माण में अहम होती है 7 आमजन को यह बताने का प्रयास किया कि मत देना केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। छात्राओं ने जीवंत अभिनय के माध्यम से मतदान न करने के दुष्परिणामों को भी दर्शाया। शिविर के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों को लोकतंत्र को मजबूत बनाने एवं जागरूक नागरिक बनने की शपथ दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि वे जिम्मेदार नागरिक बनकर मतदान अवश्य करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करेंगे। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा चित्रकला एवं रंगोली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका अवलोकन कलेक्टर रणबीर शर्मा ने किया। साथ ही मतदान से संबंधित एक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के अंत में कलेक्टर रणबीर शर्मा द्वारा क्विज़ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं और रंगोली प्रदर्शनी में भाग लेने वाली प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप गिफ्ट प्रदान किए गए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों के रचनात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें लोकतंत्र के सजग प्रहरी बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एडीएम डॉ. अनिल वाजपेयी, एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। जिला प्रशासन ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि को विशेष शिविर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाएँ और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएँ। यह विशेष शिविर जिला प्रशासन का एक अभिनव प्रयास है, जो युवाओं को लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

एनएच एम कर्मचारियों का हड़ताल में, कोरोना योद्धाओं का प्रदर्शन तेज-ताली-थाली बजाकर किया ध्यान आकर्षण प्रदर्शन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी बीते बुधवार को अपने 20 वर्षों से लंबित नियमितीकरण, ग्रेड-पे, मेडिकल अवकाश और 27व लंबित वेतन वृद्धि की मांग को लेकर धरना स्थल, तहसील कार्यालय के पास एकत्रित हुए। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने ताली-थाली बजाकर नारेबाजी करते हुए कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकाली।

कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया -एनएचएम कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता पूरन दास ने कहा कि ÷हम अपनी मांगों को लेकर 100 से अधिक बार आवेदन और निवेदन दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इससे कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है। यदि सरकार 15 दिनों के भीतर हमारी मांगों का निराकरण नहीं करती, तो यह आंदोलन प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल में तब्दील होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।÷जिला संगठन प्रमुख बृजेश दुबे एवं प्रमोद साहू ने कहा प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी में स्पष्ट उल्लेख है कि एनएचएम संविदा कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके बावजूद हम लगातार शासन-प्रशासन से वार्ता कर चुके, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।÷ कोरोना काल में इन कर्मचारियों को 'कोरोना योद्धा' का दर्जा मिला, उन्होंने दिन-रात मेहनत कर आम जनता की सेवा की। आज ग्रामीण से लेकर शहरी स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह एनएचएम कर्मचारियों के भरोसे संचालित हो रही है। यदि इनकी मांगों की जल्द सुनवाई नहीं होती तो इसका असर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा पड़ेगा, ध्यान आकर्षण धरना प्रदर्शन में मनीष शर्मा, दिनेश गंगबेर, यामिनी खुटेल, डॉ डोमन यादव, रेशमी बंजारे, मकसूदन रजक, डॉ अभिषेक यादव, राजकमल ताम्रकार, प्रियंका यादव,डॉ तृप्ति दुबे, अमर वर्मा, देवेन्द्र जायसवाल सहित बड़ी संख्या में एनएचएम संघ के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थिति रहें ।

37 पैकेट मुनक्का को अवैध रूप से रखने पर जप्त किया गया

अनावेदक के पास मुनक्का संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर जप्ती कार्यवाही किया गया

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर थाने से अनावेदक के विरूद्ध इस्तगासा की कार्यवाही कर न्यायालय पेश किया गया। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उ.ब. कांकेर आई. के. एलिसेला के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा एवं अनु. अधिकारी पुलिस मोहसीन खान के द्वारा रात्रि मे गस्त पेट्रोलिंग बढ़ाकर नषेडी गजेडियो, नषीली पदार्थ का सेवन कर उत्पात करने वाले असामाजिक तत्वो पर सतत निगरानी रखने एवं आवष्यक कार्यवाही करने के निर्देषन पर बीते बुधवार को प्रार्थी रामकुमार तेता पिता सबीत राम तेता उम्र 39 वर्ष निवासी ठेलकाबोड थाना कांकेर जिला कांकेर निवासी ने थाना कांकेर मे उपस्थित आकर मुखबीर सुचना से प्राप्त जानकारी होना सुचित किया कि राकेश साहु पिता स्व. दशरूराम साहु उम्र-59 वर्ष निवासी महादेव वार्ड मस्जिद के पीछे कांकेर के द्वारा अवैध रूप से बिना लायंसेस के मुनक्का चोरी छुपे करता 50 है और आसपास का माहौल को खराब कर रहा है कि सुचना पर गवाहों से पुछताछ किया गया गवाहों ने बताया कि अवैध रूप से मुनका बेचता है। अनावेदक राकेश साहु का मौके पर तलाशी लिया गया जिसके कब्जे से 37 पैकेट मुनका मिलने पर मुनका के संबंध में वैध दस्तावेज पेश करने नोटिस दिया गया। अनावेदक राकेश साहु के द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर 37 पैकेट जिसका वजन 7.400 किलोग्राम को धारा-106 बीएनएसएस के तहत् जप्ती की कार्यवाही गवाहों के समक्ष किया गया है। अनावेदक राकेश साहु पिता स्व. दशरूराम साहु उम्र-59 वर्ष निवासी महादेव वार्ड मस्जिद कंकेर के मन में आवेदक के खिलाफ परिशांति कायम रखने हेतु अनावेदक को प्रतिबंधित करने हेतु धारा-126 (2), 135 (3) भा.ना.सु.सं. का इस्तगासा तैयार कर अनावेदक को अधिक से अधिक प्रतिभूति की राशि से प्रतिबंधित करने हेतु न्यायालय पेश की जावेगी।

कलाम विज्ञान परिषद,भास्कराचार्य गणित परिषद एवं घोष परिषद का गठन व शपथ ग्रहण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा में प्राचार्य मालिक राम वर्मा के संरक्षण, एवं विज्ञान प्रमुख मुरलीधर साहू, वैदिक गणित प्रमुख भोजराम साहू तथा घोष प्रमुख देवेंद्र देवांगन के नेतृत्व में कलाम विज्ञान परिषद, भास्कराचार्य गणित परिषद एवं घोष दल परिषद का गठन कर प्राचार्य ने गोपनीयता एवं कर्तव्य की पद के अनुरूप शपथ ग्रहण कराया जिन्होंने अपनी तेजस्वी उद्बोधन में कहा कि शपथ लेना तो सरल है पर उसे निभाना उतना ही कठिन है! साथियों विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को सुचारू व व्यवस्थित संचालित करने के लिए परिषद का गठन आवश्यक है!, इसलिए किशोर भारती, व कन्या भारती, के गठन कर उपरोक्त परिषद का गठन किया गया है! आप इसमें अपना सहयोगात्मक योगदान देकर विद्यालय को उच्च शिखर तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें। कलाम विज्ञान परिषद के पदाधिकारियों में,कल्पना दुबे (अध्यक्ष),उदितनारायण बंजारे (उपाध्यक्ष), खुशी कोशले (कोषाध्यक्ष),प्रज्ञा सिन्हा(सचिव), व योगिता साहू (सह -सचिव),बने। इसी प्रकार महान गणितज्ञ भास्कराचार्य वैदिक गणित के पदाधिकारीयों में, हर्षित साहू (अध्यक्ष), युवराज वर्मा (उपाध्यक्ष), रश्मि वर्मा(सचिव), लक्ष्मी कनौजे (सहसचिव),बने हैं। तथा घोष परिषद के कार्यकारिणी सदस्य के रूप में, यश रजक ने अध्यक्ष पद की शपथ ली! इस अवसर पर समस्त आचार्य दीदी एवं भैया बहन उपस्थित रहे! उक्त जानकारी विद्यालय के प्रचार प्रसार प्रमुख केशों सिंह वर्मा के द्वारा प्रेषित किया गया है।

भालू के हमले में ग्रामीण घायल, बेहतर ईलाज के लिए कांकेर रेफर

शहाकट्ठा गांव में खेत जाते समय हुआ आमना-सामना

कांकेर/मूक पत्रिका

भानुप्रतापपुर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम शहाकट्ठा में मंगलवार सुबह एक ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब कल्याण सिंह उसेंडी नामक ग्रामीण अपने खेत की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रास्ते में अचानक उसका सामना भालू से हो गया और भालू ने उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह भालू को भगाया गया। घायल अवस्था में कल्याण सिंह को भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देखते हुए कांकेर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम गांव पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और अकेले जंगल या खेत की ओर न जाने की अपील की है। वन अमला क्षेत्र में भालू की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। घटना के बाद से गांव और आसपास के इलाकों में भालू की दहशत फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी इस क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही देखी गई है, लेकिन अब ये हमले की स्थिति तक पहुँच चुके हैं। वन विभाग द्वारा यदि पीड़ित को वन्यजीव हमला मुआवजा योजना के अंतर्गत सहायता दी जाती है, तो ग्रामीणों को राहत मिल सकती है। इसके लिए मौके पर निरीक्षण रिपोर्ट और अस्पताल की चिकित्सा रिपोर्ट आवश्यक होगी।

उद्यानिकी फसलों के बीमा हेतु आवेदन 31 जुलाई तक

मुंगेली । जिल के किसान अपनी उद्यानिकी फसलों जैसे टमाटर, बैगन, अमरूद, केला, पपीता, मिर्च एवं अदरक आदि के बीमा के लिए 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए किसान अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति या बीमा कम्पनी, भारतीय कृषि बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क कर अपने उद्यानिकी फसलों का बीमा करा सकते हैं। इच्छुक कृषकों को अधिसूचित फसलों की बीमित राशि का 05 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर देना होगा। इस हेतु बीमा कम्पनी के राज्य स्तरीय प्रतिनिधि विशाल गुलाटी मोबाईल नम्बर 7224991180 एवं जिला स्तरीय प्रतिनिधि ताराचंद मोबाईल नम्बर 9617739731 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अधिसूचित फसलों में टमाटर के लिए देय प्रीमियम 06 हजार रूपए, बैगन के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर देय प्रीमियम 03 हजार 850 रूपए, अमरूद के लिए 02 हजार 250 रूपए, केला के लिए 08 हजार 250 रूपए, पपीता के लिए 06 हजार 250 रूपए, मिर्च के लिए 04 हजार 500 रूपए और अदरक के लिए 07 हजार 500 रूपए किसानों को देना होगा। इस योजना में अऋणी कृषक को शामिल होने के लिए घोषणा पत्र के साथ फसल बोआई प्रमाण पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र सहित संबंधित अन्य अनिवार्य दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। इसी तरह ऋणी कृषक, जो योजना में शामिल होना नहीं चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र अनुसार बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 07 दिवस के पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अघिना-सलका में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सलका -अघिना शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अघिना-सलका में बीते मंगलवार को प्राचार्य चंद्रपाल कुशवाहा के नेतृत्व एवं विद्यालय परिवार के सहयोग से संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एस एम डी सी अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश दुबे, सांसद प्रतिनिधि मोक्ष नारायण गुप्ता, सलका सरपंच शिवकुमार अगरिया, दीपेन्द्र गुप्ता,करीम खान एवं सी एस सी पुष्पराज सिंह , अरूण प्रताप सिंह की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के कर-कमलों से मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों, संकुल के सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक, शिक्षक एवं एस एम सी अध्यक्ष,पालक एवं गणमान्य नागरिकों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। छात्राओं ने मनमोहक स्वागत नृत्य एवं लोक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी रीता गिरी ने किया। अतिथियों ने नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगा,पुष्प वर्षा कर एवं मिष्ठान खिलाकर उनका स्वागत अभिनन्दन किया। गत वर्ष कक्षा 10 वीं में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं काजल यादव, अमृता सिंह एवं भगवती राजवाड़े को विद्यालय की ओर से पेन,कापी एवं कम्पास बाक्स देकर सम्मानित किया गया। सरपंच शिवकुमार अगरिया एवं दीपेन्द्र गुप्ता ने तीनों छात्राओं को 500 ट्ठ 500 रूपए की पुरस्कार राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में शाला प्रवेश उत्सव के उद्देश्य एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास में पालक,बालक, शिक्षक एवं समाज के आपसी सहयोग पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिका एवं विद्यालय परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य चंद्रपाल कुशवाहा ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

औचक निरीक्षण पर बालक आश्रम पहुंचे सांसद भोजराज नाग, नशे में धुत मिला प्रधान अध्यापक, किया गया निलंबित

कांकेर/मूक पत्रिका

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत बालक आश्रम सुरूगदोह में पदस्थ प्रधान अध्यापक एवं प्रभारी अधीक्षक ओकेश्वर चुरेन्द्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उस समय की गई जब कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग ने आश्रम का औचक निरीक्षण किया और निरीक्षण के दौरान चुरेन्द्र को नशे की हालत में पाया गया।सांसद की जानकारी पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मंडल संयोजक द्वारा जांच कर रिपोर्ट सौंपी गई, जिसके आधार पर सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग कांकेर ने पाया कि अधिकारी का आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 (उप-नियम 1, 2, 3) के विरुद्ध है। इसके फलस्वरूप उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण (नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान चुरेन्द्र का मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कोयलीबेड़ा नियत किया गया है।इस संबंध में कांकेर कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद के निरीक्षण में अधीक्षक को नशे की हालत में पाया गया था, जिसकी सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए अधीक्षक को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही जिले के सभी आश्रम छात्रावासों की औचक जांच के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और सभी बच्चों को उचित सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें।

रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैम्प 21 जुलाई को, 30 पदों पर होगी भर्ती

मुंगेली । जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा 21 जुलाई को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 03 बजे तक जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज परिसर जमकोर में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। प्लेसमेंट कैंप में निजी कंपनी शिवशक्ति बायो टेक्नोलाजी लिमिटेड द्वारा सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एवं एग्रीकल्चर ऑफिसर के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी।

चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 12वीं एवं स्नातकोत्तर उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि और समय पर अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा के साथ उपस्थित होकर इस रोजगार अवसर का लाभ लें। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जमकोर स्थित जिला रोजगार कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं ।

विभिन्न कोर्सों में निःशुल्क अल्पावधि प्रशिक्षण हेतु आवेदन 25 जुलाई तक

मुंगेली। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत विभिन्न कोर्सों में प्रशिक्षण हेतु 14 से 45 वर्ष की आयु वर्ग के अभ्यर्थियों से 25 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी की सहायक परियोजना अधिकारी ने बताया कि टैक्सी ड्रायवर, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, इमेरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन बेसिक, असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रीशियन डोमेस्टिक साल्यूशन, जल मित्र, सोलर पी वी स्टालर (सूर्य मित्र), किसान ड्रोन आपरेटर कोर्स में निःशुल्क अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इच्छुक आवेदक अपने समस्त दस्तावेजों के साथ जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी जमकोर में सम्पर्क कर सकते हैं।

शासकीय आईटीआई मुंगेली, लोरमी एवं पथरिया में प्रवेश हेतु आवेदन 23 जुलाई तक

मुंगेली। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मुंगेली, लोरमी एवं पथरिया में विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन 23 जुलाई तक किया जा सकता है। शासकीय आईटीआई पथरिया में एन.सी.व्ही.टी. ट्रेड, फिटर एवं वेल्डर के प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्रवेश की प्रक्रिया की जाएगी। इसी तरह शासकीय आईटीआई मुंगेली में एक वर्षीय एवं द्विवर्षीय कोर्सों विद्युतकार, फिटर एवं स्टेनो हिन्दी और शासकीय आईटीआई लोरमी में एकवर्षीय पाठ्यक्रम कोपा, हास्पिटल हाउस किपिंग, द्विवर्षीय पाठ्यक्रम विद्युतकार एवं फिटर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जाएगा। आवेदन, पंजीयन सहित अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट cgiti.admission.nic.in का अवलोकन किया जा सकता है।

जिले में अब तक 214.8 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा- चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 16 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 214.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील दाढ़ी में 287.5 मि.मी. तथा न्यूनतम 117 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है।

संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 177.7 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 266 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 223.9 मि.मी., देवकर तहसील में 205 मि.मी, वर्षा थानखमहरिया तहसील मे 282.3 मि.मी., वर्षा भिंभौरी तहसील में 151.5 मि.मी. एवं साजा तहसील में 222 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

प्रयास गौ सेवा संस्थान के 10 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन से दो गौमाता को बचाया जा सका, दोषियों पर सख्त कार्यवाही किए जाने की हुई मांग

चांपा में अवैध राखड़ डंपिंग कर बना दिया मवेशियों का कब्रगाह, बेजुबान मवेशियों की हो रही मौत

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

नगर में अवैध प्लॉटिंग के साथ साथ अवैध राखड़ डंपिंग का काम भी लगातार होता रहा है। इस संबंध में अखबारों में समाचार प्रकाशित कर शासन प्रशासन को आगाह भी लगातार किया जाता रहा है, लेकिन शासन प्रशासन के पास इस कृत्य में शामिल लोगों को रोकने अथवा कार्यवाही करने की भी हिम्मत नहीं है, क्यों शासन प्रशासन के हाथ बंध जाते हैं, जो कि कई संदेह को जन्म देता है। यह सामाजिक सरोकार और स्वास्थ्य तथा मौत से जुड़ा हुआ मुद्दा है, जिसमें बाकी दिनों में लोग धूल से परेशान रहते थे जिससे गंभीर बीमारियों का खतरा बना रहता है। और अब बरसात में मवेशियों के लिए मौत का कारण बन रहा है। गत दिनों प्रयास सेवा गौसेवा संस्थान चांपा को सूचना प्राप्त हुआ है कि कोरबा रोड टी. व्ही. एस. शोरूम के सामने खेत में बड़ी मात्रा में राखड़ डंप हुआ है जिसमें दो गौमाता पांच दिनों से बेहद बुरी स्थिति फंसे हुए हैं, और गंभीर रूप घायल हो अवस्था में नजर आ रहे हैं। जिस पर प्रयास गौ सेवा संस्थान की टीम तुरंत गौमाता को रेस्क्यू करने के लिए सुबह 6 बजे निकली, घटना स्थल पहुंचते ही रेस्क्यू शुरू किया गया लेकिन वहां राखड़ में दोनो गायें बुरी तरह से राखड के अंदर धंसी हुई थीं, उनके सिर के अलावा नीचे का हिस्सा पूरी तरह से राखड़ में फ्रीज हो गया था, गौसेवकों द्वारा बड़ा रस्सा अन्य औजारों के माध्यम प्रयास शुरू किया गया, राखड के दलदल बहुत ज्यादा होने के कारण निराशा ही लग रहा था, साथ ही गौमाता पांच दिन हो गए थे बिना पानी, चारा के बेहद जिससे वे बीमार हो गए थे। चांपा नगर पालिका से जेसीबी मशीन बुलाया गया डेढ़ घंटे कड़ी मेहनत भी बेकार साबित हो गया खुद जेसीबी भी राखड़ दलदल में फंस गया। चांपा थाना प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता से फोन के माध्यम संपर्क किया गया तथा उनके द्वारा इस रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए ट्रैक्टर और हाइड्रा मशीन भेजा गया, फिर भी राखड़ के कारण ज्यादा दलदल होने वजह से कम नहीं बन पाया साथ ही ट्रैक्टर से खींचने पर उनका और जख्मी होने का डर था। बाद में फिर प्रयास सेवा संस्थान टीम ने कमर कसते शून्य से प्रयास जारी किया गौसेवकों ने राखड़ जिसमें गौमाता पूरे अंदर तक 5 दिनों से फ्रिज हो चुका था, एक इंच भी नहीं हिल रहा था एक एक इंच हांथ से राखड़ को खोद-खोद कर सभी गौसेवकों ने सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक 10 घंटे के आसपास लगातार प्रयास से दोनों गौमाताओं को सुरक्षित राखड़ के दलदल से रेस्क्यू कर निकाला जा सका।

इस गौमाताओं के रेस्क्यू ऑपरेशन को सफल बनाने में सभी ऊर्जावान गौसेवकों गौ प्रेमियों, नगर पालिका परिषद चांपा, चांपा थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता व उनके स्टाफ का अमूल्य सहयोग रहा।भयावह मौत के मुंह से बेजुबान मवेशियों को बचाने के बाद, जिला कलेक्टर, एसडीएम चांपा, एसडीओपी चांपा व चांपा थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन दिया गया सभी वरिष्ठ अधिकारियों से आग्रह भी किया गया कि अवैध रूप से प्लॉटिंग के नाम पर अवैध रूप से राखड़ डंप किया जा रहा है इस गंभीर विषय पर तत्काल कार्यवाही की माग किया गया साथ ही यह भी कहा गया कि यदि कार्यवाही नहीं होती है तो प्रयास गौ सेवा संस्थान एक बड़े जन आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी।

÷आवश्यक धारा के तहत जमीन मालिक और प्लांट जहां से राखड़ दिया गया है दोनों को नोटिस भेजकर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी÷

-सुमित बघेल
एस डी एम, चांपा

संपादकीय

बिहार की बेटियों को 'स्थानीय' आरक्षण, नीतीश कुमार का चुनावी मास्टरस्ट्रोक

बिहार में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 फीसद आरक्षण देने का निर्णय महत्त्वपूर्ण कदम था। मगर अब इस प्रावधान को राज्य की मूल निवासियों तक ही सीमित कर देने का फैसला किया गया है। राज्य के स्थायी नागरिकों के हितों के मद्देनजर यह निस्संदेह बड़ी पहल है। खासतौर से तब जबकि कुछ महीने बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं।कहा जा सकता है कि राज्य सरकार के अगुआ ने नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था के जरिए राजनीतिक संदेश दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले भी साइकिल बांटने से लेकर नौकरियां देने तक में महिला वोट बैंक का विशेष ध्यान रखते रहे हैं। शराबबंदी का फैसला भी उनकी दूरदर्शी नीति का ही हिस्सा था। इससे महिलाओं के बीच उनकी सियासी जमीन मजबूत हुई। हालांकि, अब महिला आरक्षण को एक दायरे में सीमित करने का उनका दांव कितना कारगर होगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सवाल है कि नीतीश कुमार की इस पहल से क्या राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के सत्ता में आने के दावे की धार कमजोर होगी? गौरतलब है कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी कहा है कि उनकी सरकार बनी, तो वे अधिवास नीति लागू करेंगे।दरअसल, बिहार में अधिवास नीति लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। कुछ दिनों पहले युवाओं ने भी सड़क पर उतर कर यह मांग उठाई थी। वहीं सरकार की इस बात के लिए भी आलोचना हो रही थी कि उसने शिक्षकों की भर्ती के दौरान अधिवास नीति लागू नहीं की, जिस कारण अन्य राज्यों से आए उम्मीदवारों को फायदा मिला।माना जा रहा है कि इस आलोचना की काट के लिए महिला आरक्षण पर नया दांव खेला गया। हालांकि सरकार के ताजा निर्णय से राज्य से बाहर की महिलाओं को नौकरियों में आरक्षण नहीं मिल पाएगा। मगर जब राजनीति में नफा-नुकसान की बात आती है, तो वाजिब तर्क को भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। अगर सभी राज्य ऐसा करेंगे, तो योग्य अभ्यर्थियों के लिए अवसर कम होते जाएंगे।

भोपाल की सड़कों पर गड्ढे राष्ट्रीय आकर्षण बने हुए हैं. मध्य प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गड्ढों को सड़कों की क्वालिटी में खराबी नहीं मानते बल्कि वह तो ऐसा कहते हैं कि जब तक सड़कें हैं, तब तक गड्ढे रहेंगे. साल छ-महीने के भीतर बनी सड़कों में जब गड्ढे हो जाते हैं तो यह सड़क पर करप्शन की परतें उजागर करते हैं। कोई साल नहीं जाता जब बारिश के बाद सड़कों के यही हाल नहीं होते हो. सड़क, बिजली, पानी किसी भी सरकार का बुनियादी दायित्व होता है लेकिन शहरों में इसी का रोना रहता है. बातें स्मार्ट सिटी की होती हैं. उसके लिए बड़ी मात्रा में जनधन भी खर्च किया जाता है. सपना भी दिखाया जाता है, लेकिन जमीन पर कोई बदलाव दिखाई नहीं पड़ता है। जब से भोपाल राजधानी बनी है तब से अतिक्रमण हटाने की बातें की जाती है.

ड्रेनेज का रोना, मेट्रोपॉलिटन का सपना

(सरयूसुत मिश्रा)

राजधानी में जल जाम है. सड़कों पर गड्ढे आम हैं. नालों पर दुकान मकान हैं. झुग्गियों में वोट के मुकाम हैं. जरा सी बारिश में शहर लावारिस हो गया है लेकिन सेंट्रल विस्टा की ख्वाहिश और मेट्रोपॉलिटन के सपने की बारिश बन गया सरकारों का काम है..!!

स्मार्ट सिटी की बातें क्या तकलीफों की रातें बन जाएंगी? हर बारिश सपने धुल जाते हैं फिर भी इसकी सौदागरी रुकती नहीं है. प्रशासनिक अक्षमता का 90 डिग्री ओवर ब्रिज जैसी प्लानिंग शहर के चप्पे चप्पे पर देखी जा सकती है. सुधार की उम्मीदें टूटती जा रही हैं।

भोपाल की सड़कों पर गड्ढे राष्ट्रीय आकर्षण बने हुए हैं. मध्य प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गड्ढों को सड़कों की क्वालिटी में खराबी नहीं मानते बल्कि वह तो ऐसा कहते हैं कि जब तक सड़कें हैं, तब तक गड्ढे रहेंगे. साल छ-महीने के भीतर बनी सड़कों में जब गड्ढे हो जाते हैं तो यह सड़क पर करप्शन की परतें उजागर करते हैं। कोई साल नहीं जाता जब बारिश के बाद सड़कों के यही हाल नहीं होते हो. सड़क, बिजली, पानी किसी भी सरकार का बुनियादी दायित्व होता है लेकिन शहरों में इसी का रोना रहता है. बातें स्मार्ट सिटी की होती हैं. उसके लिए बड़ी मात्रा में जनधन भी खर्च किया जाता है. सपना भी दिखाया जाता है, लेकिन जमीन पर कोई बदलाव दिखाई नहीं पड़ता है। जब से भोपाल राजधानी बनी है तब से अतिक्रमण हटाने की बातें की जाती है. झुग्गी मुक्त,,आवास युक्त योजना पर करोड़ों रुपए खर्च भी किए गए लेकिन अतिक्रमण घटने के बदले बढ़ते चले गए. मजबूरी के कारण बनने वाली झुग्गियां अब तो व्यवसाय का मॉडल बन गई. झुग्गियां बनाकर गरीबों को बेची जाती है।

शहरी नदियां और नाले गटर में बदल गए हैं. कहीं भी जगह दिखी कि, उन पर कब्जा हो जाता है. कई मामले तो ऐसे भी दिखते हैं, जहां सरकारों ने बाकायदा निर्णय कर निर्माण कराए हैं।

शहरीकरण मजबूरी बन गया है. रोजगार के लिए पलायन होता है. सबको आवास कल्याणकारी सरकारों का दायित्व है. लेकिन कागजों और बातों में तो बड़े वायदे किए जाते हैं लेकिन जमीन पर सब नदारद होता है।

राजधानी भोपाल का दुर्भाग्य देखिए कि, अभी तक वहां का मास्टर प्लान नहीं बना है. सीवेज नेटवर्क और ड्रेनेज सिस्टम की एक बारिश में ही सांसे फूल जाती हैं. प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है. पेड़ काटे जा रहे हैं. कंक्रीट के जंगल खड़े किये जा रहे हैं. ट्रैफिक मैनेजमेंट अनमेनेजेड है. शहरी

परिवहन की व्यवस्था लगभग नगण्य है।

बिना मास्टर प्लान के रियल स्टेट जो भी विकास कर रहा है, उसमें मिडिल क्लास रहने को मजबूर है. कई बार तो उसे बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलती. जब मुख्य सड़कों की हालत यह है, तो फिर कॉलोनियों में आने जाने की सड़कों की तो कोई बात ही नहीं है. भीड़ बढ़ती जा रही है लेकिन सियासत इसे ही अपना जरिया बना लेती है. वोट की खातिर शहर को बदसूरत बनाया जाता है।

कोई भी सरकार हो या मुख्यमंत्री हो उसे भविष्य का सपना तो दिखाना ही पड़ता है. वर्तमान की कमियों को सुधारना आसान नहीं होता. इसलिए भविष्य के सपने में भरमाए रखना, सियासी नीति हो जाती है. मंत्रालय के पास प्रशासनिक भवन के लिए सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की घोषणा की गई है. जब घोषणा की गई है तो बनेगा भी लेकिन इससे राजधानी में कोई बुनियादी बदलाव आने की क्या कोई संभावना है? कंस्ट्रक्शन का बाय-प्रोडक्ट करप्शन बन गया है. कोई भी कंस्ट्रक्शन करप्शन के बिना केवल फिल्मों में सोचा जा सकता है।

मध्य प्रदेश सरकार विधानसभा के इसी सत्र में मेट्रोपॉलिटन एक्ट लाने की बात कर रही है. इसके लिए मध्य प्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में विचार विमर्श का दावा किया जा रहा है. शहरी विकास के नए अध्याय की इसे शुरुआत बताया जा रहा है. राज्य के मुख्यमंत्री अखबारी विज्ञापन में दावा कर रहे हैं कि, मध्य प्रदेश के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है. इससे बढ़ती नगरीय जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी. समृद्ध और विकसित शहर प्रदेश के समावेशी विकास की आधारशिला बनेंगे।

सरकारी भाषा में नए अध्याय की शुरुआत और आधारशिला जैसे शब्द अपने अर्थ खो चुके हैं. हर सरकार इन्हीं शब्दों का उपयोग करती है. सरकार एक सतत प्रक्रिया है लेकिन पुरानी गलतियों या नीतियों पर बिल्कुल बात नहीं की जाती. बात नए अध्याय से शुरू होती है. जैसे ही सरकार में बदलाव आता है, वैसे ही यह अध्याय अपने आप समाप्त हो जाता है. यह प्रवृत्ति विकास की दिशा को ही भटका देती है।

आज मेट्रोपॉलिटन रीजन का सपना बेचा जा रहा है. यह सपना बिना मास्टर प्लान के कैसे पूरा होगा? यह कोई नहीं बताना चाहता. मास्टर प्लान क्यों रुका हुआ है? दशकों से बिना मास्टर प्लान राजधानी कैसे विकसित हो रही है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? इस पर ना कोई सवाल है और ना ही कोई जवाब है.।

जहां सरकारों की कोई भूमिका नहीं होती, वहां भी विकास की एक स्वाभाविक गति होती है. परिवार बढ़ते हैं तो लोग नए घर भी बनाते हैं. नए रोजगार भी तलाशते हैं. और उनको पाने में किसी सरकार का कोई रोल नहीं होता. फिर भी विकास का यह स्वभाविक क्रम चलता रहता है।

मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन नए-नए सपनों से ही कुछ नहीं होगा. जो खामियां हैं, जो कमियां हैं उनको कब और कैसे दूर किया जाएगा? अब तो ऐसा लगने लगा है कि, बड़े शहर प्रकृति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने लगे हैं. मेट्रोपॉलिटन रीजन का एक्ट पास भी हो जाएगा तो उसके लिए जो भी काम होगा, उसमें जनधन की आवश्यकता होगी।

जब वर्तमान में ही शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर की जरुरत पूरी करना मुश्किल हो रहा है, तो फिर नए एरिया में इनके विकास के लिए धन कहां से लाया जाएगा? विकास में निरंतरता का अभाव है. सामूहिकता से ज्यादा व्यक्तिवादी सोच और सपना विकास प्रक्रिया पर हावी दिखाई पड़ता है।

पुराना बचाइए और साथ ही नया बनाइये. जब बुनियाद ही कमजोर होगी तो फिर नया भी इसी बुनियाद पर खड़ा होगा. फिर भविष्य में नई शुरुआत का सपना दिखाया जाएगा. जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो. अच्छे काम को पुरुस्कृत किया जाए और गलती के लिए दंड मिले, तभी वर्तमान चमकेगा. इसी चमक से भविष्य की चमक बढ़ेगी. केवल सपने से परिणाम नहीं मिल पाएंगे।

पूरी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है मुस्लिम आबादी, ईसाई घट रहे, हिंदू आबादी स्थिर

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट हाउ द ग्लोबल रिलीजन लैडस्कैप चैंज फार्म 2010 एण्ड 2020 ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है।

अक्सर कहा जाता है कि भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या में तेज वृद्धि हो रही है लेकिन अब जो आंकड़े सामने आये हैं वह दर्शा रहे हैं कि पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी में सबसे तेज वृद्धि हो रही है। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि अगर यही रुझान जारी रहे तो 2050 तक मुस्लिम और ईसाई आबादी लगभग बराबर हो सकती है और 2070 के बाद मुस्लिम जनसंख्या ईसाइयों से आगे निकल सकती है। यह परिवर्तन न केवल सांख्यिकीय रूप से बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भी पूरे विश्व को प्रभावित करेगा।

हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट हाउ द ग्लोबल रिलीजन लैडस्कैप चैंज फार्म 2010 एण्ड 2020 ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला धार्मिक समुदाय मुस्लिम समुदाय है। रिपोर्ट के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या में हुई वृद्धि ने अन्य सभी धर्मों को पीछे छोड़ दिया है।

रिपोर्ट कहती है कि 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़ी, जोकि अन्य सभी धर्मों की सम्मिलित वृद्धि से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या का प्रतिशत 23.9 प्रतिशत से बढ़कर 25.6 प्रतिशत हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से युवा आबादी और उच्च प्रजनन दर के कारण हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2010 में ईसाई वैश्विक आबादी का 30.6 प्रतिशत थे, जो 2020 में घटकर 28.8 प्रतिशत रह गए। इस गिरावट का मुख्य कारण था धार्मिक त्याग, जिसमें खासतौर पर लोग पश्चिमी देशों में ईसाई धर्म को छोड़ रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक हिंदू आबादी लगभग 1.2 अरब हो गई है (2010 में 1.1 अरब थी), यानी 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि हिंदुओं का वैश्विक प्रतिशत 15 प्रतिशत से मामूली घटकर 14.9 प्रतिशत हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं की प्रजनन दर वैश्विक औसत के अनुरूप है और धर्मांतरण की दर भी बहुत कम है। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 तक दुनिया के 95 प्रतिशत हिंदू भारत में रहते हैं।

इसके अलावा, 'नो-रिलिजन' वर्ग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक रूप से असंलग्न लोगों की संख्या 270 मिलियन बढ़कर 1.9 अरब हो गई है और इनका वैश्विक हिस्सा 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 24.2 प्रतिशत हो गया है। वहीं प्रमुख धर्मों में केवल बौद्ध धर्म की आबादी 2010 की तुलना में 2020 में कम रही। 2010 में बौद्ध वैश्विक जनसंख्या का 4.9 प्रतिशत थे, पर 2020 में यह घट गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हिंदुओं की आबादी 2010 के 80 प्रतिशत से घटकर 2020 में 79 प्रतिशत हो गई है। वहीं भारत में मुस्लिम आबादी 2010 के 14.3 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 15.2 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि भी मुख्य रूप से प्रजनन दर और युवा जनसंख्या के कारण है, न कि धर्मांतरण से। हालांकि भारत में मुस्लिमों की यह वृद्धि अन्य दक्षिण एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान या बांग्लादेश की तुलना में धीमी है, पर फिर भी यह एक महत्वपूर्ण सांख्यिकीय परिवर्तन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 में दुनिया की कुल मुस्लिम आबादी में से 35 प्रतिशत मुसलमान 15 वर्ष से कम आयु के थे। उल्लेखनीय है कि इतनी युवा जनसंख्या होने के कारण जन्म दर अधिक बनी रहती है, जिससे आबादी तेजी से बढ़ती है। साथ ही मुस्लिम महिलाओं की औसत प्रजनन दर अन्य धार्मिक समुदायों की तुलना में अधिक है। इससे मुस्लिम जनसंख्या की प्राकृतिक विकास दर भी अधिक होती है। साथ ही, रिपोर्ट कहती है कि मुस्लिमों में धर्म छोड़ने वालों की संख्या और अन्य धर्मों से इस्लाम अपनाने वालों की संख्या लगभग बराबर है। यानी धार्मिक स्विचिंग का असर नगण्य है, जिससे शुद्ध जनसंख्या वृद्धि केवल जन्म के कारण होती है। इसके अलावा, रिपोर्ट के मुताबिक केवल 1त्न वयस्क ही अपने जन्मजात धर्म से अलग होकर अन्य धर्म अपनाते हैं, विशेष रूप से हिंदू और मुसलमान, इन दोनों समुदायों में धर्म-परिवर्तन की दर अत्यंत कम है।

बहरहाल, पीई2 रिसर्च की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आने वाले दशकों में विश्व की धार्मिक जनसंख्या संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि मुस्लिम आबादी में तेज़ वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, ईसाई समुदाय के समक्ष चुनौतियाँ बढ़ेंगी, खासकर यूरोप और अमेरिका में। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदू समुदाय वैश्विक रूप से स्थिर रहेगा, परंतु भारत के भीतर उसके अनुपात में धीरे-धीरे गिरावट संभव है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह रिपोर्ट न केवल जनसांख्यिकी विश्लेषण, बल्कि नीति-निर्धारण, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक सहिष्णुता के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लाल सागर के रास्ते तेजी से बढता गजवा-ए-दुनिया

लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाकर अपनी तानाशाही का परचम फहराने वाले इस संगठन के पास बुर्कान श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइल, कुद्स-1 क्रूज मिसाइल, अल-मंदब-1 एंटी-शिप मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली सैय्यद-2सी मिसाइल, ड्रोन, विस्तारित-रेंज वाले मानव रहित यूएवी, स्कड, ओटीआर-21 तोचका मिसाइल, रॉकेट लॉन्चर, एयर डिफेंस सिस्टम, एस 358 मिसाइल, रॉकेट मिसाइल, राडर से चलने वाली मिसाइल, यूएस एमक्यू -9 रीपर ड्रोन, एयर-लॉन्च स्टैंड-ऑफ मुनिशन, बी -2 स्टील्थ बॉम्बर्स, थाक्यूब 1, थाक्यूब 2, थाक्यूब 3 सहित जमीन से हवा में, हवा से हवा में तथा हवा से जमीन में मार करने वाली बेहद खतरनाक मिसाइलों सहित एयर डिफेन्स सिस्टम आदि का भण्डार है जिसमें निरंतर इजाफा होता जा रहा है।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

दुनिया के अनेक राष्ट्रों ने आतंकवादियों आड लेकर अपने देश में अघोषित सैनिकों की एक सशक्त शाखा स्थापित कर रखी है जिसके पास आधुनिक हथियार, नवीनतम तकनीक और असीमित संसाधन हैं। वर्तमान में ईरान के माध्यम से यमन की धरती पर हूती विद्रोहियों के नाम का एक ऐसा ही संगठन विकसित राष्ट्रों तक को धमकाने में लगा है। लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाकर अपनी तानाशाही का परचम फहराने वाले इस संगठन के पास बुर्कान श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइल, कुद्स-1 क्रूज मिसाइल, अल-मंदब-1 एंटी-शिप मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली सैय्यद-2सी मिसाइल, ड्रोन, विस्तारित-रेंज वाले मानव रहित यूएवी, स्कड, ओटीआर-21 तोचका मिसाइल, रॉकेट लॉन्चर, एयर डिफेंस सिस्टम, एस 358 मिसाइल, रॉकेट मिसाइल, राडर से चलने वाली मिसाइल, यूएस एमक्यू -9 रीपर ड्रोन, एयर-लॉन्च स्टैंड-ऑफ मुनिशन, बी -2 स्टील्थ बॉम्बर्स, थाक्यूब 1, थाक्यूब 2, थाक्यूब 3 सहित जमीन से हवा में, हवा से हवा में तथा हवा से जमीन में मार करने वाली बेहद खतरनाक मिसाइलों सहित एयर डिफेन्स सिस्टम आदि का भण्डार है जिसमें निरंतर इजाफा होता जा रहा है। अनेक राष्ट्र पर्दे के पीछे से इस आतंकी संगठन को हथियार, तकनीक और साधन मुहैया करा रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि पाकिस्तान से ईरान को मिलने वाली परमाणु हथियारों की तकनीक, सहयोग और पदार्थों से निर्मित होने वाले अनेक अतिघातक शस्त्र भी हूती के पास पहुंच गये हैं जिनका उपयोग इजरायल एवं उसके सहयोगी देशों पर किया जा रहा है। इस आतंकवादी संगठन का प्रमुख अब्दुल मलिक अल-हूती तो खुलेआम आतंक के नाम पर दुनिया को धमकाने में लगा है। वर्तमान में लाल सागर से होकर

गुजरने वाले जहाजों को अपने ट्रैकिंग सिस्टम पर स्वयं को मुसलमान होने तथा इजरायल से कोई संबंध न होने का संदेश प्रसारित करना पड रहा है। सूत्रों की मानें तो इस्लाम का आतंक चरम सीमा पर पहुंचाने की गरज से हूती सहित अन्य इस्लामिक आतंकी संगठनों ने एक साथ मिलकर गजवा-ए-दुनिया के ख्वाब को पूरा करने के लिए कमर कस ली है। आश्चर्य होता है कि अमेरिका की चौधराहट भी इस्लामिक आंतकवाद के सामने आत्मसमर्पण की मुद्रा में आ जाती है।

परमाणु क्षमता की दम पर आतंकियों को संरक्षण देने वाला पाकिस्तान आज अमेरिका का सबसे चहेता बना हुआ है। विश्वबैंक से कर्जा दिलवाने से लेकर उसे राजनैतिक संरक्षण देने तक में ट्रंप कार्ड की भागीदारी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। गाजा के हालातों पर मानवीय संवेदनाओं की आड लेकर हमास का कवच बनने वाले राष्ट्रों को वहां के निवासियों का आतंकी प्रेम जानबूझकर नहीं दिख रहा है। वहां के निवासियों के सामने उनके बीबी-बच्चों की मौत हो रही है परन्तु वे अपनी कट्टरपंथी मानसिकता का प्रमाण देते हुए हमास को बेनकाब नहीं होने दे रहे हैं। आतंकियों को अपने आंचल में छुपाये बैठे हैं। जब अपहरित इजरायलियों को तडफा तडफा कर मौत दी जा रही थी तब वहां के निवासी जश्न मनाते रहे। मानवता को कफन में लपेटा जाता रहा और वे ठहाके लगाते रहे। किन्तु जब कट्टरवादियों के जिस्मों पर कफन लपेटा जाने लगा तब उन्होंने हमास को सुरक्षित रखने के साथ-साथ अपने लिए मानवता का नारा बुलन्द किया। जब विश्व स्वास्थ्य संगठन के लोग हमास के साथ मिलकर आंतक फैलाने में सहयोग कर रहे थे तब मानवता की परिभाषा को अर्थहीन बना दिया गया था। कट्टरता परोसने वाली जमातें अब पैसों की दम पर हथियार, हथियारों की दम पर आतंक और आतंक की दम पर सल्तनत हासिल करने में लगीं हैं। लाल सागर होकर गुजरने वाले लगभग सभी देशों के जहाजों ने हूती के आतंक को सलाम करने के लिए खुद को मुसलमान और सुरक्षा के लिए इजरायल से संबंध न होने की घोषणायें करना शुरू कर दीं है।

वह दिन दूर नहीं जब हथियारों के सामने गैर मुसलमानों को कलमा पढने के लिए मजबूर किया जायेगा, जबरन निकाह के कबूलनामे पर दस्तख़त करवाये जायेंगे और कराया जायेगा आंतक के साये तले इस्लाम का नारा बुलंद। पाकिस्तान से आने वाले वहां के अघोषित सैन्य अधिकारियों ने जिस तरह से पहलगाम में धर्म पूछकर हत्यायें की थी उसी तरह से लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों को भी हूतियों की जमातों के सामने इजरायल विरोधी और मुसलमान होने के प्रमाण देने होंगे। ऐसा न कर पाने की स्थिति में उन्हें तडफ-तडफ कर मरने के लिए तैयार रहना होगा। यह सब अल्लाह को नहीं मुल्ला को मंजूर है। ऐसे मुल्लाओं की तादात में दिन-ब-दिन इजाफा होता जा रहा है। दुनिया के कोने-कोने से गैर मुसलमानों पर हो रहे जुल्मों की दस्तानें सुनाई दे रहीं हैं। वहां की सरकारें कानों में तेल डाले बैठीं हैं। अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन मौन हैं। आतंकियों के जुल्मों को मुस्लिम सम्प्रदाय खुलकर समर्थन दे रहा है। न्याय, मानवता और संवेदनाओं को हलाल कर चुके लोगों के सामने बहता खून, गूंजती चीखें और तडफते जिस्म ही उनका जश्न-ए-मुबारक बन चुका है। हजारों की संख्या में इस्लामिक आतंकी संगठनों ने दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। सशक्त राष्ट्र भी निजी स्वार्थों के लिए आस्तीन में सांप पालने की होड में शामिल हैं। ऐसे में हूती के फरमान पर सिर झुकारने वाले जहाजों ने आतंकियों के हौसलों को बुलंद करना शुरू कर दिया है।

जिले मे खाद-बीज वितरण में प्रदेश में अव्वल : इस वर्ष 113% बीज वितरण, 119% डीएपी खाद उपलब्धता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफ सीजन 2025 के दौरान बेमेतरा जिले ने कृषि कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए खाद-बीज वितरण के क्षेत्र में राज्य में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। जिले में अब तक 113.33त्न बीज वितरण किया जा चुका है, जबकि डीएपी खाद की उपलब्धता भी संशोधित लक्ष्य से 119त्न अधिक रही है। वर्तमान में अच्छी वर्षा के चलते जिले में खरीफ फसलों की बोनी लगभग पूर्ण हो चुकी है और धान की रोपाई कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टर रणबीर शर्मा द्वारा जिले में खरीफ सीजन की विभिन्न कृषि गतिविधियों की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने खाद-बीज के आवंटन, भण्डारण और वितरण व्यवस्था की गहनता से जांच कर किसानों तक इसकी समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक के दौरान उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने बताया कि जिले में डीएपी खाद की मांग अधिक रही है, लेकिन इसकी सीमित उपलब्धता को देखते

हुए सिंगल सुपर फास्फेट एवं एनपीके खाद को विकल्प के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी गई है। कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीएपी खाद के विकल्प के रूप में एसएसपी और एनपीके के उपयोग के फायदों को किसानों को बताया जाए और इसके प्रचार-प्रसार हेतु बैनर व पोस्टर सभी सहकारी समितियों में चस्पा किए जाएं। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के मैदानी अमले किसानों को फसल उत्पादन संबंधी उचित सलाह देकर उन्हें आधुनिक और टिकाऊ खेती के लिए प्रेरित करें।

खाद भंडारण और वितरण की स्थिति-शासन द्वारा जिले का खाद भंडारण लक्ष्य 65,015 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। अब तक जिले को 53,887 मीट्रिक टन खाद प्राप्त हो चुका है, जो गत वर्ष की तुलना में 89त्न है। इनमें से 46,103 मीट्रिक टन खाद का वितरण कृषकों को किया जा चुका है, जो कुल प्राप्त खाद का 71त्न है। डीएपी खाद का संशोधित लक्ष्य 5,667 मी. टन था, जिसके विरुद्ध 6,724 मी. टन का भंडारण कर लिया गया है, यानी 119त्न लक्ष्य की पूर्ति।

विकल्प खाद ड्ड स्स्क और ह्वक्क की उपलब्धता-गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 154त्न एसएसपी और 130त्न एनपीके खाद की आपूर्ति की जा चुकी है। वर्तमान में 2,921 मीट्रिक टन एसएसपी और 553 मीट्रिक टन एनपीके खाद समितियों में उपलब्ध है। एसएसपी खाद में 16त्न फास्फोरस और 11त्न सल्फर पाया जाता है, जो धान और अन्य फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

बीज वितरण में भी रिकार्ड उपलब्धि-वर्ष 2024 में सहकारी समितियों के माध्यम से 19,742 क्विंटल बीज वितरण किया गया था। वर्ष 2025 में अब तक 22,375 क्विंटल बीज का वितरण हो चुका है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 113.33त्न है।

कलेक्टर की अपील-कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कृषकों से अपील की है कि वे अपनी संबंधित समितियों से शीघ्र खाद का उठाव करें और डीएपी के विकल्प के रूप में एसएसपी एवं एनपीके खाद का उपयोग कर वैज्ञानिक पद्धति से खेती करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन कृषि की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखे हुए है और किसानों को समय पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिले की यह प्रगति कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और टिकाऊ खेती की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

कृषि विभाग के उड़नदस्ता टीम द्वारा जिले के विभिन्न उर्वरक विक्रय केन्द्रों का किया गया औचक निरीक्षण

- चांपा सहित पूरे जिले भर में कृषि उर्वरक केंद्रों, कृषि सेवा केंद्रों में भारी अनियमितता पाई गई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले के कृषकों को सुगमता पूर्वक गुणवत्तायुक्त कृषि आदान (बीज उर्वरक कीटनाशक) उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तरीय उड़दस्ता दल द्वारा जिले के विभिन्न उर्वरक विक्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। उप संचालक कृषि एल एम भगत ने बताया कि जिला स्तरीय उड़दस्ता दल द्वारा विकासखंड बम्हनीडीह के मेसर्स अग्रवाल कृषि केन्द्र बम्हनीडीह, मेसर्स आनंत ट्रेडर्स बम्हनीडीह, मेसर्स एग्रो सर्विस सेंटर चांपा, मेसर्स सिद्धी कृषि केन्द्र सिवनी, मेसर्स साहू खाद भण्डार सिवनी एवं मेसर्स राठौर खाद भण्डार सिवनी चांपा के उर्वरक विक्रय स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स अग्रवाल कृषि केन्द्र बम्हनीडीह के विक्रय स्थल में भण्डारित उर्वरक प्राप्ति का स्त्रोत नही होने के कारण यूरिया 188 बोरी, एस.एस.पी. 147 बोरी, डी.ए.पी. 52 बोरी, एन.पी.के. 102 बोरी जप्ती की कार्यवाही की गई। मेसर्स आनंत टेऊडर्स बिना स्त्रोत के उर्वरक प्राप्ति के चलते सिंगल सूपर फास्फेट 45 बोरी जप्ती की कार्यवाही करते हुए संबंधित को सुपुर्द किया गया। मेसर्स एग्रो सर्विस सेंटर चांपा में लाइसेंस में दर्शित नक्शा अन्यत्र स्थल का होने के कारण गोदाम को सील बंद की कार्यवाही की गई। इसी प्रकार मेसर्स सिद्धी कृषि केन्द्र सिवनी, मेसर्स साहू खाद भण्डार सिवनी, मेसर्स राठौर खाद भण्डार सिवनी चांपा विभिन्न प्रकार के अनिमियतता के चलते कारण बताओ नोटिस एवं मेसर्स साहू कृषि केन्द्र में बिना स्त्रोत के यूरिया 130 बोरी रखने पर जप्ती करते हुए संबंधित को सुपुर्द किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक कृषि श्रीमती नीलम आजाद, सहायक मिट्टी परीक्षण अधिकारी मनीष कुमार मरकाम, निरीक्षक शिव कुमार राठौर, निरीक्षक एन.के.दिनकर एवं रवि साहू उपस्थित रहे।

सुरक्षा दृष्टि से किसी संदिग्ध की जाँच करना गलत नहीं, टी एम सी सांसद झूठे आरोप लगाने से पूर्व पश्चिम बंगाल में हो रही बांग्लादेशी घुसपैठ पर लगाम लगाए - सांसद महेश कश्यप

बस्तर पांचवी अनुसूची क्षेत्र जिसकी सुरक्षा और अस्मिता के साथ कोई समझौता नहीं होगा : महेश कश्यप

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कोंडागांव जिले में 9 संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के विषय में हो रहे राजनीतिक बयानों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप ने कहा कि यह मुद्दा राजनीति से अधिक बस्तर की सुरक्षा, अस्मिता और संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ा है, जिसे किसी भी प्रकार से नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सांसद कश्यप ने स्पष्ट किया कि बस्तर पाँचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है, जहाँ आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, भूमि और पहचान की संवैधानिक रूप से सुरक्षा की गई है। ऐसे में बाहरी तत्वों की घुसपैठ और फर्जी पहचान पत्रों के आधार पर क्षेत्र में सक्रिय होना एक गंभीर विषय है, जो न केवल स्थानीय सुरक्षा को खतरे में डालता है, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित बस्तर क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश, म्यांमार आदि देशों से अवैध घुसपैठियों की गतिविधियाँ देखी गई हैं। ये लोग फर्जी दस्तावेज बनाकर देश के विभिन्न हिस्सों में घूमते हैं और कई मामलों में अपराधों में भी शामिल पाए गए हैं। सांसद कश्यप ने पश्चिम बंगाल का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि पहले भी कई अपराधियों के पास फर्जी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड व मतदाता पहचान पत्र पश्चिम बंगाल से जारी पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत है कि उस राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ पर लगाम लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने एक हालिया घटना का उल्लेख करते हुए कहा कुछ माह पूर्व पश्चिम बंगाल से आए कुछ युवकों ने कोंडागांव जिले में एक आदिवासी युवती के घर में घुसकर छेड़छाड़ की कोशिश की थी, जो बस्तर की अस्मिता पर सीधा हमला था. सांसद महेश कश्यप ने कहा कि बस्तर की सुरक्षा से समझौता करके किसी को भी राजनीतिक लाभ नहीं लेने दिया जाएगा। सुरक्षा दृष्टि से संदिग्धों की जाँच करना कानूनन उचित और ज़रूरी है। जो लोग इस पर सवाल खड़े कर रहे हैं, वे पहले पश्चिम बंगाल में हो रही घुसपैठ पर जवाब दें।

कई तहसीलदार हुए इधर से उधर, कलेक्टर ने किया पदस्थापना में संशोधन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय के आदेशानुसार नायब तहसीलदारों को तहसीलदार के पद पर पदोन्नत कर जांजगीर-चांपा जिले में पदस्थ किये जाने के फलस्वरूप कलेक्टरजन्मेजय महोबे ने जिले में पदस्थ तहसीलदारों के मध्य पूर्व में किये गये पदस्थापना आदेश में आंशिक संशोधन किया है। जारी आदेश के अनुसार तहसीलदार बम्हनीडीह उमाकांत जायसवाल को तहसीलदार नवागढ़, तहसीलदार शिवरीनारायण अविनाश चौहान को तहसीलदार बम्हनीडीह, टेकेन्द्र नुरूटी को तहसीलदार शिवरीनारायण, अति0 तहसीलदार नवागढ़ श्रीमती करूणा आहेर को अति0 तहसीलदार पामगढ़ में एवं चंद्रकांत चंद्रवंशी को प्रभारी तहसीलदार के पद पर उप तहसील राहौद में पदस्थ किया गया है।

पति-पत्नी के टुटते हुए रिश्ते को जोड़ने में परामर्शदाता उमराव सिंह वर्मा को मिली सफलता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

परिवार न्यायालय में चल रहे पारिवारिक विवाद संबंधी प्रकरणों में नियमानुसार सुलह समझौता के दौरान दम्पति को समझाते हुए पुराने मनमुटाव को भुलाकर पुनः जोड़ने एवं खुशी खुशी साथ रहने के लिए तैयार करने में परिवार न्यायालय, बेमेतरा के परामर्शदाता एवं मानवशास्त्री उमराव सिंह वर्मा को सफलता मिली है। दस साल पहले विवाह के बंधन में जुड़े इस दम्पति के सूंदर सूंदर दो मासूम बच्चे और भरा-पूरा परिवार है परन्तु छोटी-छोटी नोंक-झोंक के कारण वे पिछले एक साल से अलग-अलग रह रहे थे, इस बीच दोनों में बिल्कुल बातचीत नहीं थी, एक दुसरे का मुंह देखना पसंद नहीं कर रहे थे, समय के साथ साथ मनमुटाव बढ़ता जा रहा था, अक्सर देखा जाता है पति-पत्नी के बीच होने वाले छोटी-छोटी बातें कब बड़ा रूप ले लेता है यह पता ही नहीं चलता और उन्हें न्यायालय तक पहुंचना पड़ जाता है। इसी तरह का एक मामला जब परिवार न्यायालय के परामर्शदाता के पास पहूंचा और सुलह समझौता की कार्यवाही शुरू हुई तो पता चला कि विवाद कोई बहुत बड़ा नहीं था, ऐसे विवाद अक्सर परिवार में होते रहते हैं जैसे दो बर्तन जब साथ रहता है तो आवाज अवश्य आती है। इसी तरह पति-पत्नी के दिमाग में आएं हुए अनेक मतभेदों को मिटाते हुए परामर्शदाता ने कहा कि ÷पति-पत्नी का रिश्ता बहुत विश्वास का रिश्ता है और इस रिश्ते की डोर को सम्हालने के लिए एक-दूसरे को और एक-दूसरे के परिवार को सम्मान देना आवश्यक है, ध्यान रखना आवश्यक है एक दुसरे को समय देना आवश्यक है÷ और इस तरह एक-दूसरे की गलतियों को स्पष्ट करके उसका कारण और निवारण के सुझाव बताते हुए दम्पति को समझाया गया तो अंत में पति-पत्नी एक-दूसरे के साथ और अपने प्यारे प्यारे बच्चों के साथ खुशी खुशी रहने के लिए तैयार हो गए। पत्नी ने पुरानी बातों को भुलाते हुए अपने पति के चरणस्पर्श किए और पति आगे किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं आने की बात कहते हुए अपने पत्नी के सिर में हाथ रखा और एक दम्पति आज पुनः एक दुसरे से जुड़ गए, ऐसा लगा मानों कि ÷दो चिड़िया आज फिर आसमान में एक साथ उड़ने लगे।

जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू ने विधानसभा में गंभीरता से उठाया ओपन बोर्ड परीक्षा केंद्र स्थानांतरण की मांग

- कहा शैक्षणिक गुणवत्ता से समझौता नहीं!

जांजगीर चांपा/सक्ती/ मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू ने नियम 138 (1) के तहत ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सक्ती में संचालित ओपन बोर्ड परीक्षा केंद्र को अन्य विद्यालय में स्थानांतरित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उक्त संस्था को न केवल माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षा के संचालन के लिए समन्वय संस्था बनाया गया है, बल्कि यह मूल्यांकन केंद्र भी है, जहां पूरे जिले की उत्तर पुस्तिकाओं का समय से पहले सफल मूल्यांकन किया जाता रहा है। विधायक साहू ने सदन में जानकारी दी कि विगत दो सत्रों से यहां न केवल बोर्ड परीक्षाएं संचालित हो रही हैं, बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे व्यापमं और पीएससी भी व्यवस्थित रूप से संपन्न कराई गई हैं। इसके बावजूद इसी संस्था को ओपन बोर्ड परीक्षा का भी अग्रेषण केंद्र और परीक्षा केंद्र बनाया गया है, जिससे यहां की कक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि ओपन बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में तीन बार -अगस्त-सितंबर, नवंबर और मार्च-अप्रैल में होती हैं, और इन सभी सत्रों में संस्था के नियमित शिक्षण कार्य प्रभावित होते हैं। अगस्त-सितंबर में परीक्षा संचालन के चलते विद्यालयीन कक्षाएं बाधित हो रही हैं, वहीं मार्च-अप्रैल में मूल्यांकन केंद्र के 100 मीटर के दायरे में बाहरी व्यक्ति प्रतिबंधित रहते हैं, जबकि उसी समय ओपन बोर्ड परीक्षा भी संचालित की जाती है, जो स्पष्ट रूप से नियमों और गुणवत्ता के साथ समझौता है। विधायक ने बताया कि सक्ती क्षेत्र में कई अन्य हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूल उपलब्ध हैं, जिन्हें ओपन बोर्ड परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित किया जा सकता है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अध्यक्ष, सचिव तथा जिला शिक्षा अधिकारी को इस असुविधा की जानकारी होने के बावजूद संस्था पर ही यह भार डाला जा रहा है, जिससे ना केवल बच्चों की शिक्षा बाधित हो रही है बल्कि ऋञ्जश्व के अंतर्गत निर्धारित 220 कार्यदिवसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण देना भी कठिन हो गया है।

विधायक साहू ने स्कूल शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए शासकीय कन्या उ.मा.वि. सक्ती से ओपन बोर्ड परीक्षा केंद्र को अन्य संस्था में स्थानांतरित करने की दिशा में शीघ्र निर्णय लिया जाए।

अब देखना यह है कि विधायक के उठाए इस संवेदनशील मुद्दे पर शासन-प्रशासन क्या निर्णय लेता है।

एक राय होकर रास्ता रोककर डण्डा, रॉड से प्राण घातक हमला कर हत्या करने हेतु दुष्प्रेणा करने वाली फरार महिला आरोपी को किया गिरफ्तार थाना बिर्रा पुलिस की त्वरित कार्यवाही

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

मामले में प्रकरण के पूर्व में 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। एक दिन पहले मुहल्ले में शादी हो रही थी, चूल माटी खोदने गये थे उस दरम्यान मृतक के साथ मुख्य आरोपी के साथ मामुली विवाद हुआ था, उसी के बदला लेने के लिए आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिए।

प्रकरण में शामिल एक विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक को पूर्व में विधिवत कार्यवाही कर किशोर न्यायालय पेश किया जा चुका है। गिरफ्तार महिला आरोपी सरस्वती कश्यप उम्र 45 साल निवासी सेमरिया थाना बिर्रा। आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 51/2025 पारा 296,115 (2) 351 (2) 109, 126 (2), 103 (1).3(5) बीएनएस के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।मामले में एक दिन पहले मुहल्ले में शादी हो रही थी, जिसमें चूल माटी खोदने गये थे उस दरम्यान मृतक देवी प्रसाद उर्फ दीवान कश्यप उम्र 42 साल निवासी सेमरिया थाना बिर्रा के साथ मुख्य आरोपी रामेश्वर कश्यप के साथ मामुली वाद विवाद हुआ था। उसी बात को लेकर आरोपी रामेश्वर कश्यप द्वारा मृतक से रंजीश रखा था जिसका बदला लेने के लिए आरोपी रामेश्वर कश्यप ने अपने साथी संजीव कुमार कस्यप, दूज राम कश्यप एवं एक विधि से संघर्षरत बालक के साथ मिलकर, मृतक जब दिनांक 10/05/2025 को सताहिक बाजार कर शाम को अपने घर जा रहा था तभी सभी आरोपियों द्वारा एक राय होकर मृतक का रास्ता रोककर ताबड़तोड़ हमला करते हुए डण्डा एवं रॉड से मारपीट कर वहां से भाग गए। मारपीट से मृतक को गंभीर चोट लगने से तत्काल इलाज हेतु जांजगीर जिला अस्पताल भेजा गया वहां से सिम्स अस्पताल बिलासपुर रिफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

विवेचना दौरान आरोपी 01. रामेश्वर कश्यप 02 संजीव कुमार कश्यप उर्फ संजू 03 दूजराम कश्यप सभी निवासी सेमरिया थाना बिर्रा के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 12.05.25 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया एवं प्रकरण में शामिल एक विधि विरुद्ध संघर्षरत अपचारी बालक की किशोर न्यायालय पेश किया जा चुका हैं।

भाजपा की वर्तमान साय सरकार के डेढ़ साल में कुल वृद्धि 80 पैसे अर्थात 13 प्रतिशत बढ़ोत्तरी

डेढ़ साल के भीतर भाजपा की साय सरकार ने चौथी बार बढ़ाएं बिजली के दाम, जनता की जेब में सरकार कर रही डकैती

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बिजली उपभोक्ताओं को एक बार फिर लूटने का काम भाजपा सरकार ने किया है। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है, गैर घरेलू बिजली की दर 25 पैसे प्रति यूनिट महंगी कर दी गई है। सर्वाधिक बढ़ोतरी कृषि पंप के बिजली के दाम में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई है। छत्तीसगढ़ के किसान इस सरकार की दुर्भावना और उपेक्षा के चलते पहले ही खाद, बीज और बिजली कटौती से परेशान है, अब कृषि पंप में बिजली की दर बढाकर किसानों की कमर तोड़ रही है भाजपा सरकार इतिहास गवाह है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में जनता को लूटने के तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं। 2003 से 2018 तक भाजपा की पूर्ववर्ती रमन सरकार ने हर साल बिजली के दामों में वृद्धि की। 2003 में छत्तीसगढ़ में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 3 रुपए 30 पैसे के दर पर बिजली मिला करती थी, जिसे 15 साल के कुशासन के बाद रमनसिंह के समय ही 6 रुपए 40 पैसे तक बढ़ाया गया, जिसे चुनाव चुनावी वर्ष 2018 में मात्र 20 पैसे घटकर 6 रुपया 20 पैसे किया गया। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार में पूरे 5 साल का नेट वृद्धि यदि देखें तो मात्र दो पैसे-का था, जो ऐतिहासिक तौर पर सबसे न्यूनतम था।

भाजपा की वर्तमान साय सरकार के डेढ़ साल में कुल वृद्धि 80 पैसे अर्थात 13 प्रतिशत बढ़ोत्तरी-पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने बिजली के घाटे को पाटते हुए बिजली बिल ऑफ योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 65 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 3240 करोड रुपए के सब्सिडी देकर बहुत बड़ी राहत दी थी। किसानों को 5 एचपी तक निशुल्क बिजली दिया, बीपीएल उपभोक्ताओं को 40 यूनिट तक मुक्त बिजली दी गई। अस्पतालों, उद्योगों को सब्सिडाइज्ड दर पर बिजली देकर राहत पहुंचाया। भाजपा की सरकार आने के बाद प्रदेश भर में बिजली की कटौती शुरू हो गई और कीमत लगातार बधाई जाने लगी है।

कोयला हमारा, पानी हमारा, जमीन हमारी और हमें ही महंगे दर पर बिजली बेचा जा रहा है?-भाजपा के नेता, मंत्री, विधायक और अधिकारी एसी का मजा लूट रहे, कई सरकारी विभाग बिजली का बकाया बिल जमा नहीं कर रहें, सरकारी उपक्रमों और सरकार के चहेतों का करोड़ों का बिजली बिल का भुगतान लंबित है, उसकी वसूली भी जनता से कर रही है सरकार सत्ता के संरक्षण में बिजली चोरी और लाइन लॉस के मामले बढ़े हैं, जिसके चलते हो रहे नुकसान की भरपाई भी जनता से वसूली करके करना चाहती है यह सरकार केंद्र की मोदी सरकार के गलत नीतियों के चलते है बिजली का उत्पादन लागत बढ़ा है, कोयले पर ग्रीन टैक्स चार गुना अधिक बढ़ा दिए, रेलवे का माल भाड़ा अधिक वसूल रहे हैं. थर्मल पॉवरप्लांट को अडानी की कंपनी से महंगे दर पर कोयला खरीदने बाध्य किया जा रहा है. डीजल पर सेंट्रल एक्साइज बढ़ाए जाने से परिवहन में और फायर के लिए उपयोग होने वाले डीजल की लागत बढी है जिसकी भरपाई भी उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाकर किया जा रहा है। प्रदेश भर से अनाप-शनाप बिजली बिल आने की शिकायत लगातार आ रही है, स्मार्ट मीटर के नाम पर अधिक बिल उपभोक्ताओं को भेजा जा रहा है, अब तो जनता को लूटने के लिए अडानी की कंपनी का प्रीपेड मीटर भी लगाने की तैयारी है भाजपा सरकार पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही है, अघोषित कटौती रोज-रोज जारी है, ऊपर से सरकार ने बिजली के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी करके जनता की जेब में डकैती डाला है। कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार के ऐसे अन्यायपूर्ण फैसले का विरोध करती है, सरकार के इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। साथ ही 17, 18, 19, जुलाई को प्रत्येक ब्लॉक में बिजली कार्यालय का घेराव एवं जिला में बिजली कार्यालय का घेराव 22 जुलाई को किया जाएगा

छत्तीसगढ़ में घरेलू बिजली की दर में वृद्धि निम्नानुसार हुईः-साल 2003-04बिजली की दर 3.30
2017-186.40 (+3.10)
(रमन सरकार में कुल वृद्धि 3 रुपए 10 पैसे अर्थात 94 प्रतिशत)2018-19
6.20
5.93 (-27)
2019-20
5.93
2020-21
6.08 (+15)
2021-22
6.22 (+12)
2022-23
6.22 (0)
2023-24
(कांग्रेस सरकार के 5 साल में कुल वृद्धि मात्र 02 रुपए या 2 पैसे अर्थात केवल 0.
32 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई)
2023-24
6.22
वर्तमान में
7.02 (+.80)

बस्तर सांसद महेश कश्यप की अध्यक्षता में जिला खनिज न्यास शासी परिषद की बैठक सम्पन्न

जिले में विभिन्न विकास कार्यों को मिली मंजूरी, खनिज प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में बढ़ाया गया कदम- बस्तर -सांसद कश्यप

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

बस्तर सांसद महेश कश्यप की अध्यक्षता में बीते बुधवार को जिला खनिज न्यास शासी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिले के खनिज प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उन्हें सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। सांसद कश्यप ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप खनिज न्यास निधि का उद्देश्य केवल अधोसंरचना निर्माण नहीं, बल्कि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के जीवन स्तर को उठाना है।

उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की पहुंच को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही युवाओं के लिए कौशल विकास, महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहन, और कृषि व अन्य आजीविका आधारित परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि युवाओं की सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों को समर्थन देने के लिए आवश्यक संसाधनों और अधोसंरचना का विकास को प्राथमिकता दी जावेगी।

सांसद कश्यप ने बताया कि खनिज निधि से ग्रामीण सड़कों, स्कूल भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों, पेयजल संरचनाओं और सामुदायिक भवनों जैसे अधोसंरचना कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और स्थानीय परंपराओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए विशेष योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खनिज निधि सिर्फ आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का एक सशक्त माध्यम है। पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा ताकि विकास के वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंचे।

बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत के अध्यक्षगण सहित जिला खनिज न्यास शासी परिषद के सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि और जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिलापंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे तथा विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसी के अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के आरंभ में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया कि जिला खनिज न्यास निधि के तहत जिले में शिक्षा के क्षेत्र को बढ़ावा देने के दृष्टि से राशि 2255.00 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।इसके साथ ही नवीन आश्रम 100/50 सीटर भवन की स्वीकृति राशि 962.24 लाख की स्वीकृति दी गई। रोजगार प्रशिक्षण दंतेवाड़ा जिले में युवाओं को रोजगार प्रशिक्षण हेतु राशि 446.96 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। जिला दंतेवाड़ा में अंदरूनी क्षेत्रों के विकास एवं आवागमन की सुविधा हेतु सड़क एवं पुल निर्माण हेतु राशि 1601.07 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। जिले में महिलाओं एवं बाल कल्याण हेतु पोषक तत्व से भरपूर आहार हेतु राशि 146.32 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। जिले में पेयजल हेतु राशि 72.17 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।बैठक में कलेक्टर द्वारा बताया गया कि उच्च प्राथमिकता में पेयजल, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण उपाय, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, कृषि एवं अन्य संबद्ध गतिविधियां, कौशल विकास एवं रोजगार, स्वच्छता, सतत जीविकोपार्जन, स्वास्थ्य (मेडिकल कॉलेज) सहित भौतिक अधोसंरचना सिंचाई ऊर्जा और जल विभाजन विकास अन्य सार्वजनिक परिवहन युवा गतिविधियों को बढ़ावा देना सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा उन्होंने ने जिला खनिज न्यास निधि के तहत किए जा रहे नवाचारों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर ने जिला खनिज न्यास संस्थान द्वारा जन शिकायत निवारण प्रणाली के तहत आपकी समस्याएं, हमारे समाधान की जिम्मेदारी के लिए टोल फ्री नबर 78563-56558 भी जारी की गई है।

लखपति दीदी नायिकाओं की कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का सांसद कश्यप ने किया विमोचन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

संयुक्त जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में बीते बुधवार को ÷लखपति दीदी नायिकाओं की कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का सांसद कश्यप ने विमोचन÷ किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम,नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अध्यक्षगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर कुणाल दुदावत,पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे मौजूद थे।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना अंतर्गत कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा के नेतृत्व में जिले में उत्कृष्ट कार्य कर रहे दीदियों की सफलता की कहानी को एक जगह संग्रहित कर कॉफी टेबल पुस्तक का निर्माण किया गया है। इसके अन्तर्गत बिहान योजना के तहत् बनाए गए इस ''लखपति दीदी दंतेवाड़ा की नायिकाएं''''कॉफी टेबल बुक'' में जिले की 60 से अधिक दीदियों की सफलता की कहानी को संजोया गया है। जिसमें मिशन के मार्गदर्शन से दीदियों द्वारा विभिन्न प्रकार के आजीविका गतिविधियों को अपना कर उसमें उत्तरोत्तर वृद्धि कर अपने आय को बढ़ावा देने के प्रयासों को रेखांकित किया गया हैं। ये सभी दीदियां लखपति दीदी के नाम से जानी जाती है इस बुक निर्माण करने का मुख्य उद्देश्य जिले की अन्य सभी दीदियों को लखपति बनने हेतु प्रेरित किया जाना है जो इनके कहानी से प्रेरणा लेकर स्वयं भी लखपति दीदी बने।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति "दिशा " एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई संपन्न

केन्द्र और राज्य की योजनाओं का धरातलीय क्रियान्वयन किया जाना विभागों और जनप्रतिनिधियों की प्रमुख जिम्मेदारी

जिले के विकास में प्राथमिकता वाले कार्यों में हो डीएमएफकी राशि का हो सदुपयोग- सांसद कश्यप

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

बीते बुधवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिषा'' एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बस्तर सांसद महेश कश्यप की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में जिले में संचालित विभिन्न निर्माण एवं विकास मूलक योजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद ने कहा कि अधिकारीगण इन योजनाओं को तेजी से प्रगति लाने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय एवं बेहतर तालमेल एवं सहयोग से कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का संचालन जिले में समुचित ढंग से हो सके इसके लिए जरूरी है कि अधिकारीगण सक्रियता पूर्वक कार्यो को अंतिम रूप दें। केन्द्र और राज्य की योजनाओं का धरातलीय क्रियान्वयन किया जाना विभागों और जनप्रतिनिधियों की प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि डीएमएफकी राशि को जिले के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यो में ही सदुपयोग करना सुनिश्चित करें। प्रकृति ने बस्तर को खनिज संपदा एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण किया है। इसी के फ्लस्वरूप हमें डीएमएफ अनुदान की राशि एक वरदान के रूप में प्राप्त हुआ है। परन्तु हमें यह ध्यान रखना होगा कि एक सामुदायिक लाभ के तौर पर इसका वास्तविक उपयोग और जमीनी क्रियान्वयन दिखना भी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने जिले में शिक्षा, पर्यटन, खेल तथा स्वास्थ्य और उद्यानिकी के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों का भी जिक्र करते हुए कहा कि हम सब का यह लक्ष्य होना चाहिए कि जिले को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाए। उक्त बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, उपाध्यक्ष अरविंद कुजाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

''दिषा'' के बैठक में केन्द्र और राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा के तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, छ.ग ग्रामीण सड़क योजना विकास अभिकरण, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उद्यानिकी एवं पशुधन विकास विभाग, शिक्षा विभाग की समीक्षा हुई। बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मुड़ामी ने कहा कि जिले को एक नई पहचान देने के लिए संबंधित विभाग चयनित ग्रामों में अपनी किसी विशेष योजना को बेहतर रूप से क्रियान्वयन कर उसे एक मॉडल ग्राम के रूप में स्थापित करने का प्रयास करें। कलेक्टर श्री दुदावत ने दिषा बैठक के अंत में कहा कि माननीय सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के दिषा निर्देषों के अनुरूप जिला प्रशासन योजनाओं को पूर्ण पारदर्शिता और समय सीमा में क्रियान्वित करने का प्रतिबद्ध है। तथा कार्य संपादन में किसी प्रकार की लापरवाही के लिए जवाबदेही तय की जाएगी।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के तहत दिए गए दिशा निर्देश- जिला कार्यालय में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिषा'' के साथ ही एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक भी संपन्न हुई। बैठक में जिले में ''ब्लैक स्पॉटका चिन्हांकन एवं सुधार कार्य, लाइसेंस निलंबन की जानकारी, जिला चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर की स्थापना, स्कूल एवं कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान एवं स्कूल बसों की चेकिंग, स्कूल एवं कॉलेजों के नाबालिग छात्र छात्राओं द्वारा वाहन परिचालन के संबंध में किये गए कार्यवाही, सभी मुख्य मार्गो में यातायात संबंधित निर्देषात्मक एवं आदेशात्मक, तथा सूचनात्मक बोर्ड, पुलिस परिवहन एवं लोक निर्माण की संयुक्त टीम द्वारा सुधारात्मक कार्य, मोटरयान अधिनियम 1988 के उल्लंघन के विरूद्ध की गई कार्यवाही, सड़क सुरक्षा की दृष्टिकोण से जागरूकता रैली एवं कार्यक्रम, वर्षवार सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी के संबंध में भी सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा सुझाव और दिषा निर्देष दिए गए।

छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ का 10 सूत्री मांगों को लेकर दो दिवसीय हड़ताल

मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश एन एच एम कर्मचारी संघ दंतेवाड़ा का स्थानीय दुर्गा मंडप दंतेवाड़ा में अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर दो दिवसीय हड़ताल पर बैठे हुए हैं। जिसमें इनकी प्रमुख मांगे है ।इस रैली को दंतेवाडा सचिव संघ द्वारा समर्थन दिया गया है।

01.सिविलियन एवं स्थाईकरण =एनएचएम के अनुभवी संविदा कर्मियों का सेवाकाल एवं कार्य की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अन्य राज्यों की तर्ज पर इनका सिविलियन किया जाए। स्वयं छत्तीसगढ़ प्रदेश में शिक्षा विभाग में कार्यरत हजारों शिक्षा कर्मियों का शिक्षा विभाग में संविलियन किया गया है।

02. पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना=एक पृथक पब्लिक हेल्थ कदर का गठन कर क्लीनिकल तथा मैनेजमेंट के डर के एनएचएम कर्मचारियों को इसमें समायोजित किया जाए। जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था में पेशेवर गुणवत्ता सुनिश्चित हो अवगत होना चाहेंगे कि पब्लिक हेल्थ कदर की स्थापना का विजन नवीन राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का एक महत्वपूर्ण विषय है तथा माननीय नरेंद्र मोदी जी की केंद्र सरकार भी इस पर जोर दिया गया।

03. ग्रेड पे निर्धारण =पद योग्यता एवं कार्य अनुभव के अनुसार समान कार्य के लिए समान वेतन की नीति लागू कर ग्रेड पे निर्धारित किया जाए मध्य प्रदेश हरियाणा राजस्थान राज्यों में एनएचएम कर्मचारियों हेतु ग्रेड पे व्यवस्था लागू की गई है ग्रेड पे के माध्यम से वेतन विषय विसंगति का निराकरण भी होगा।

04. कार्य मूल्यांकन व्यवस्था में पारदर्शिता =कई प्रकारों में देखा जा रहा है कि किसी कर्मचारी का कार्य मूल्यांकन व्यक्तिगत दुर्भावना के आधार पर खराब कर दिया जाता है इसमें पारदर्शिता लाने बाबत व्यवस्था बनाई जाए।

05. लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि =जुलाई 2023 को संविदा कर्मचारियों हेतु घोषित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि कई अन्य विभागों जैसे मनरेगा आजीविका मिशन आवास योजना में प्रदान किया जा चुका है एनएचएम कर्मचारियों आज पर्यंतक युक्त लाभ से वंचित है।

06. नियमित भर्ती में सीटों का आरक्षण =जब तक स्थाईकरण हेतु नीति नहीं बन जाती तब तक स्वास्थ्य विभाग में हो रही नियमित भारतीयों में एनएचएम कर्मचारियों के लिए मध्य प्रदेश की तरह 50त्न सीटें आरक्षित की जावे जिससे अनुभवी मानव संसाधन का लाभ प्रदेश को मिल सके।

07. अनुकंपा नियुक्ति =सेवा कल के दौरान दिवंगत एनएचएम कर्मचारियों के परिजनों को मानवीय आधार पर अनुकंपा नियुक्ति की सुविधा प्रदान की जाए। यह सुविधा मध्य प्रदेश में लागू की गई है जबकि छत्तीसगढ़ में यह बिजली विभाग में प्रदान की जा रही है।

08. मेडिकल एवं अन्य अवकाश की सुविधा =एनएचएम कर्मियों संविदा कर्मियों को भी नियमित कर्मियों के समकक्ष सवैतनिक चिकित्सा अवकाश, संतान पालन अवकाश, अर्जित अवकाश जैसी सुविधाएं प्रदान की जाए।

09. स्थानांतरण नीति =विशेष परिस्थितियों जैसे चिकित्सीय आवश्यकता पारिवारिक दायित्व पति-पत्नी प्रकरण को ध्यान में रखते हुए एक पारदर्शी एवं मानवीय स्थानांतरण नीति अपनाई जाए।

10. न्यूनतम 10 लाख तक कैशलेस चिकित्सा बीमा सुविधा=अल्प वेतन में कार्य कर रहे एनएचएम संविदा कर्मी जब किसी रोग या दुर्घटना से पीड़ित होते हैं तो परिवार पर आर्थिक बोझ पड़ता है। कई प्रकरण में धन के अभाव में कर्मचारियों की जान भी चली जाती है, उक्त प्रावधान से सामाजिक सुरक्षा पोस्ट होगी।

सनकी यह भी मांग है कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा का ध्यान करते हुए अस्पतालों में कार्यरत ॥ड्डष्ट संगवारी की सेवा निरंतर करते हुए पद को ऋह्नक्क में स्वीकृत किया जाए।

इन सभी मांगों को भूपेंद्र कुमार साहू अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ दंतेवाड़ा के नेतृत्व में सैकड़ो एनएचएम कर्मचारियों द्वारा दुर्गा मंच से रैली निकालकर जिला कार्यालय पहुंचकर नायक तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा गया।

कोबिया हाईस्कूल में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल कोबिया में बीते मंगलवार को वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। जिसमें फ्लदार,छायादार पौधा लगाया गया,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय सिन्हा ने कहा कि पेड़ लगाना हम सब का कर्तव्य है हम सब को मिलकर पेड़ पौधा लगाना चाहिए ताकि हमें भविष्य में इसका लाभ मिले,सिन्हा जी ने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय प्रांगण के सभी समस्याओं के बारे में जाना और सभी समस्याओं के निराकरण हेतु अपनी सहमति प्रदान किया इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा नगर पालिका परिषद् के अध्यक्ष विजय सिन्हा,विशिष्ट अतिथि युगल देवांगन

जी अध्यक्ष भाजपा शहर मंडल बेमेतरा, अध्यक्षता राकेश वर्मा अध्यक्ष शाला विकास एवं प्रबंधन समिति हाईस्कूल कोबिया,प्राचार्य अवन कुमार जांगड़े,वार्ड पार्षद श्रीमती नीलम रामसजीवन टंडन,पूर्व पार्षद साधेलाल बघेल,सांसद प्रतिनिधि मदन वर्मा,गोलू कोशले मंत्री भाजयुमो बेमेतरा,कमलेश वर्मा अध्यक्ष भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा बेमेतरा,देवनाथ पाल,प्राथमिक शाला प्रधानपाठक श्रीमती सुनीता साहू,माध्यमिक प्रधानपाठक पवन वर्मा,शिक्षकगण संजय शर्मा,राजकुमार सिरसाहा,सुषमा ठाकुर,ऊषा साहू,खलखो मैडम,ठाकुर मैडम एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

ओलंपिक 2028

क्रिकेट का शेड्यूल आया सामने, 6 टीमें लेंगी हिस्सा, टी-20 फॉर्मेट में होगा मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में अब क्रिकेट की वापसी तय हो गई है. इसका शेड्यूल भी सामने आ गया है. अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक मुकाबलों में क्रिकेट का मैच पोमोना शहर के फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा. यह शहर लॉस एंजेलिस से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित है. यह मुकाबले 12 जुलाई से शुरू होंगे, जबकि मेडल मैच 20 और 29 जुलाई को खेले जाएंगे.पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्गों में कुल 6-6 टीमें भाग लेंगी और कुल 180 खिलाड़ी ञ्च20 प्रारूप में इस चार-वर्षीय महाकुंभ में हिस्सा लेंगे. क्रिकेट को इससे पहले केवल एक बार, 1900 में पेरिस ओलंपिक में शामिल किया गया था. आयोजकों द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 14 और 21 जुलाई को कोई मुकाबला नहीं होगा, जबकि अधिकतर दिनों में डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) खेले जाएंगे.1900 में हुए पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट केवल एक बार खेला गया था, जहां दो टीमें- ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने दो दिवसीय मैच खेला था. इस मैच में ग्रेट ब्रिटेन ने स्वर्ण पदक जीता था. पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में कुल 90-90 खिलाड़ियों के कोटे दिए गए हैं, जिससे सभी 12 टीमें 15-15 सदस्यीय स्क्वाड घोषित कर सकेंगी.क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के तीन स्थानों ग्रैंड प्रेयरी, लॉडरहिल और न्यूयॉर्क में 2024 टी20 वर्ल्ड कप के कई मुकाबले आयोजित किए गए, जिसे अमेरिका और वेस्टइंडीज ने संयुक्त रूप से होस्ट किया था.अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने क्रिकेट के साथ-साथ बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस (सिक्सेस) और स्क्वैश को 2028 खेलों में शामिल किए जाने वाले पांच नए खेलों के रूप में स्वीकृति दी है. लॉस एंजेलिस की मेयर कैरेन बास ने एक बयान में कहा, जब दुनिया इन खेलों के लिए यहां आएगी, तो हम ऐसा आयोजन करेंगे जो सभी के लिए हो और एक महान विरासत छोड़े.

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर, एजेंसी। जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3ः30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से टर्बन्ड टॉरनेडोकहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई आयु-वर्ग के रिकॉर्ड तोड़े और 101 वर्ष की आयु तक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दौड़ते रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह की मौत पर एक्स पर लिखा, फौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वह अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।

अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया के साथ दोस्ताना मैच खेलेगा अमेरिका

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम (यूएसएमएनटी) अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। यह दोनों टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। यह मैच फीफा वर्ल्ड कप-2026 की तैयारी के तहत खेले जाएंगे, जो अमेरिका में ही आयोजित होने वाला है। दुनिया की टॉप 25 टीमों में शामिल इन दोनों टीमों के खिलाफ होने वाले मैच अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए अहम मौके होंगे। यह मैच अमेरिका को वर्ल्ड कप की मजबूत टीमों से खेलने का मौका देंगे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि अगले साल वर्ल्ड कप में उन्हें किस तरह की टीमों और खेलने के तरीकों का सामना करना पड़ सकता है।

इक्वाडोर पांचवीं बार वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने जा रहा है। वह अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ दक्षिण अमेरिका की उन तीन टीमों में शामिल है, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन क्वालीफायर्स के तीसरे राउंड में अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल करते हुए वर्ल्ड कप में जगह पक्की की है। ऑस्ट्रेलिया लगातार छठी बार वर्ल्ड कप में खेलेगा।

अमेरिका 10 अक्टूबर को टेक्सास स्थित ऑस्टिन के क्यू2 स्टेडियम में इक्वाडोर की मेजबानी करेगा। इक्वाडोर के खिलाफ यूएसए का रिकॉर्ड पांच जीत, पांच हार और इतने ही ड्रॉ का रहा है।

टेक्सास में खेले गए मुकाबलों में भी अमेरिका का इक्वाडोर के खिलाफ रिकॉर्ड बराबरी (1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ) पर रहा है। यह मैच ह्यूस्टन, फोर्ट वर्थ और फ्रिस्को में खेले गए थे। चार दिन बाद, 14 अक्टूबर को यूएसए की टीम कोलोराडो के कॉमर्स सिटी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। अमेरिकी टीम अब तक इतिहास में केवल तीन बार ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी है। दोनों टीमें 1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ के साथ बराबरी पर हैं। इन दोनों के बीच पिछला मुकाबला 5 जून 2010 को खेला गया था, जिसमें अमेरिका ने 3-1 से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में एडसन बडल ने दो गोल किए थे, जबकि हरक्यूलिस गोमेज ने इंजरी टाइम में एक गोल दागकर जीत पक्की की थी। यह मैच रूडेपोर्ट, दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था। दोनों टीमों ने अमेरिकी धरती पर दो बार एक-दूसरे का सामना किया है। यह मुकाबले अमेरिका के सितंबर में होने वाले दोस्ताना मैचों के बाद खेले जाएंगे। दोस्ताना मैच दक्षिण कोरिया और जापान के खिलाफ होंगे। इसी महीने की शुरुआत में अमेरिका को कोनकाकाफ गोल्ड कप के फाइनल में मेक्सिको के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

कुंबले ने भारत की हार की तुलना चेन्नई में पाकिस्तान से हार से की

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के रोमांचक अंत में, इंग्लैंड ने भारत को केवल 22 रनों से हरा दिया। जियोहॉटस्टार के विशेषज्ञ अनिल कुंबले और जोनाथन ट्रॉट ने अंतिम सत्र, जडेजा के वीरतापूर्ण प्रयास और दोनों टीमों के लिए इसके महत्व पर जानकारी दी। तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन की समाप्ति के बाद 'मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने भारत की हार और मैच के आखिरी पलों पर टिप्पणी की, 'मुझे एक टेस्ट मैच याद आ गया जहां भारत चेन्नई में पाकिस्तान से 12 रनों से हार गया था। वह भी कुछ इसी तरह का आउट था। सिर्फ 22 रन। जडेजा नाबाद रह गए-मतलब, उनकी योजना भारत को जीत के इतने करीब पहुंचाने की थी। लेकिन इंग्लैंड अपने काम पर डटा रहा। मुझे लगता है कि जोफ्रा आर्चर के पिछले ओवर ने मोहम्मद सिराज को जरूर परेशान किया होगा। ऐसा नहीं था कि वह गेंदबाज पर हमला करना चाहते थे, लेकिन एक बेतुके पॉइंट ने दबाव बढ़ा दिया। मुझे लगा कि यह ऐतिहासिक जीत हासिल करने का एक शानदार मौका था। लेकिन भारत के लिए यही होना चाहिए-22 रनों से हारने के बावजूद, कई सकारात्मक पहलू भी हैं। सीरीज के उत्साह पर प्रतिक्रिया देते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'एक बार फिर, मैच का फैसला बेहद कम अंतर से हुआ-22 रन से। हमने सिराज को सांत्वना देते देखा। हम यही देखना चाहते हैं। हमने पांच दिनों तक कड़ा मुकाबला देखा और फिर हर तरफ हाथ मिलाते हुए। किसी एक टीम को जीतना ही था, और इस बार इंग्लैंड था। अंतिम सत्र की तीव्रता के बारे में जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'यह बहुत तनावपूर्ण था-नाखून चबाने वाला। मुझे यकीन नहीं है कि मेरे पास कोई नाखून बचा है! खेल का अंत करने का यह निश्चित रूप से एक दुखद तरीका है, लेकिन किसी

को तो जीतना ही था। मुझे लगता है कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है-थोड़ा मसाला, मैदान पर थोड़ा रोमांच। जब तक टीमें मैदान के बाहर एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाती हैं और चौथे टेस्ट तक कोई तनाव नहीं रहता, हम ठीक हैं। वहां बहुत कड़ा मुकाबला खेला गया। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन जीतता है।

रवींद्र जडेजा के प्रदर्शन और दृष्टिकोण पर कुंबले ने टिप्पणी की, 'उन्हें उन गेंदबाजों की पहचान करनी चाहिए थी जिन्हें वह निशाना बना सकते थे। जैसा कि मैंने कहा-क्रिस वोक्स, जो हवा में थोड़े धीमे हैं, और जो रूट या बशीर। हालांकि वे ऑफ-स्पिनर हैं, लेकिन ऐसा नहीं था कि गेंद सीधे घूम रही थी। जडेजा ने मुश्किल विकेटों पर मुश्किल गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खेला है। आदर्श रूप से, अगर किसी को जोखिम उठाना ही था और आउट होना था, तो वह सिराज के बजाय जडेजा को होना चाहिए था।

कुंबले ने कहा, उन्होंने स्ट्राइक हासिल करने में अच्छा प्रदर्शन किया-खासकर बुमराह और सिराज के साथ। लेकिन बशीर को पूरा ओवर देना जोखिम भरा था। तभी वह उन पर हमला कर सकते थे। उन्होंने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। वह जल्दी आए-दिन के छठे ओवर में-और नाबाद रहे। 82/7 के स्कोर के बाद सिर्फ बुमराह और सिराज के साथ स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है। बाकी बल्लेबाज निराश होंगे-उनके पास मौके थे। साथ ही, वे अतिरिक्त रन-पहली पारी में 32 और दोनों पारियों में लगभग 65-चर्चा का एक बड़ा मुद्दा होंगे। जडेजा की पारी पर जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'पीछे मुड़कर देखना एक खूबसूरत चीज है। मुझे लगता है कि जडेजा ने अविश्वसनीय रूप से अच्छा खेला। मुझे उनका जरूरत से ज्यादा विश्लेषण करने का कोई मतलब नहीं दिखता। उन्होंने खुद को और टीम को बेहतरीन तरीके से संभाला। उन्होंने संघर्ष किया, अच्छी तरह से बायीं ओर गेंद डाली, और थोड़ी किस्मत का भी साथ मिला। गेंद घूम रही थी, और हां, बशीर पर आक्रमण करने का प्रलोभन था। लेकिन अगर वह जोर लगाकर आउट हो जाते, तो हम कह रहे होते कि उन्होंने अपना विकेट फेंक दिया। मुझे लगता है कि उन्होंने बेहतरीन खेला। दूसरे बल्लेबाज शायद सोचेंगे और खुद से पूछेंगे-मैं जडेजा जैसा प्रदर्शन क्यों नहीं कर पाया जिससे हमें मौका मिल सके?

श्रृंखला के व्यापक संदर्भ को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए कुंबले ने कहा, 'यह टेस्ट क्रिकेट का एक शानदार प्रदर्शन है। तीनों टेस्ट मैच बेहद रोमांचक रहे हैं और दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है। हां, स्कोरलाइन इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 की है, लेकिन अगर आप सत्रवार प्रदर्शन देखें, तो यह बराबरी का रहा है। भारत को अगले दो टेस्ट मैचों से पहले आत्मविश्वास से भरपूर होना चाहिए। वे पहले टेस्ट में मिली हार से पहले ही वापसी कर चुके हैं। यह मैच मामूली अंतरों पर निर्भर था-जैसे लंच से पहले पंत का रन आउट होना, अतिरिक्त रन, और शायद जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स को खुलकर रन बनाने देना। अगर भारत को श्रृंखला बराबर करनी है, तो उसे अगले मैच में इन महत्वपूर्ण क्षणों का फायदा उठाना होगा।

वेस्टइंडीज के नाम टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर, ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 176 रन से गंवा बैठी। जमैका में मेजबान टीम को जीत के लिए महज 204 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज सिर्फ 27 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। यह टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले, मार्च 1955 में न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 26 रन पर ढेर हो चुकी है। बात अगर वेस्टइंडीज की करें, तो इससे पहले यह टीम मार्च 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 47 रन पर सिमट चुकी है।

वेस्टइंडीज की इस पारी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक चटकाई। उन्होंने 14वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर जस्टिन ग्रीव्स, शमर जोसेफ और जोमेल वारिकन को अपना शिकार बनाया। इसी के साथ स्कॉट बोलैंड टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले 10वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए। वह पिंक बॉल टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम महज 225 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में वेस्टइंडीज अपनी पहली पारी में महज 143 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में महज 121 रन ही जुटा सकी। वेस्टइंडीज की ओर से इस पारी में शमर जोसेफ ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि अल्जारी जोसेफ को पांच विकेट हाथ लगे। सिर्फ 204 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 27 रन ही बना सकी। इस पारी में जस्टिन ग्रीव्स दहाई का आंकड़ा छूने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया की और से इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7.3 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें महज 9 रन देकर सर्वाधिक छह विकेट चटकाए। वहीं, स्कॉट बोलैंड ने दो ओवरों में महज दो रन देकर तीन शिकार किए। शेष एक विकेट जोश हेजलवुड के हाथ लगा।

लॉर्ड्स में गांगुली का शर्ट लहराने की यादों ने आर्चर को प्रेरित किया: स्टोक्स

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया कि भारत की 2002 में इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना ने जोफ्रा आर्चर को तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। गांगुली ने नेटवेस्ट ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए अपनी शर्ट उतार दी थी और यह आज तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे नाटकीय क्षणों में से एक है। आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को खतरनाक ऋषभ पंत को बोल्ड किया और इसके बाद वाशिंगटन सुंदर का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लिया। भारत इस मैच में 22 रन से हार गया था। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है।

पता है ना। उसने मुझसे कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल

में स्कोर बराबर रहने के बाद बाउंड्री काउंट-बैक के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, जब स्टोक्स ने आर्चर को छह साल पहले के उस महत्वपूर्ण दिन के बारे में याद दिलाया, तो तेज गेंदबाज को 17 साल पहले हुए गांगुली वाले पल की याद आ गई। स्टोक्स ने कहा, 'मैं उस दिन की बात कर रहा था जब हमने विश्व कप जीता था लेकिन वह कह रहा था, ओह, वो वाला। वह वाकई कमाल का लड़का है। छोटे लक्ष्य के सामने ऋषभ पंत का विकेट वास्तव में महत्वपूर्ण था। मुझे पूरा विश्वास था कि जोफ्रा आज कुछ ऐसा करने वाला है जिससे मैच में अंतर पैदा हो जाए।

चोट के बाद वापसी करने वाले स्टोक्स ने भारत पर दबाव बनाए रखने के लिए 9.2 ओवर और 10 ओवर का स्पैल पूरा किया। स्टोक्स ने कहा कि वह 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए फिट रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह से फिट रहूंगा। उस मैच से पहले हमें विश्राम करने का पर्याप्त मौका मिलेगा।स्टोक्स से खेल के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई तीखी बहस और छींटाकशी के बारे में पूछा गया, लेकिन उन्होंने इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की बड़ी सीरीज़ में हमेशा ऐसा कोई न कोई पल जरूर आता है जब दोनों टीम के खिलाड़ी एक दूसरे से भिड़ेंगे।

सायना नेहवाल के बाद अब पहलवान दिव्या काकरान का तलाक, लिखा-भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला पहलवान दिव्या काकरान ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए अपने तलाक की जानकारी दी। इससे पहले सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलग होने की खबरें सामने आ चुकी हैं। भारतीय खेल जगत में रिश्तों के टूटने की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के बाद अब मशहूर महिला पहलवान दिव्या काकरान ने अपने तलाक की बात सार्वजनिक की हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश शेयर कर अपने मन की बात रखी। दिव्या काकरान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टा पर एक भावुक संदेश लिखी स्टोरी शेयर की। इसमें उन्होंने लिखा-नमस्ते, जैसा कि आप जानते हैं, मैं दिव्या काकरान हूं। मैं आपसे कुछ निजी बातें साझा करना चाहती थी।

मैंने हाल ही में अपने पति सचिन प्रताप सिंह से तलाक लेने का फैसला किया है। यह मेरे जीवन के भावनात्मक रूप से सबसे कठिन अध्यायों में से एक रहा है। इसमें बहुत दर्द, आत्मचिंतन और खुद को छोड़ देने का अनुभव रहा है... लेकिन साथ ही स्पष्टता, विकास और शक्ति के ऐसे पल भी आए हैं जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था।

यह ऐसी बात नहीं है जिसे मैं आसानी से साझा करूं, लेकिन मुझे लगा कि आपको यह बात बतानी चाहिए क्योंकि आपका समर्थन, दूर से ही सही, मेरे लिए बहुत मायने रखता

है। मैं धीरे-धीरे ठीक हो रही हूँ और इस नई शुरुआत को पूरे सम्मान और उम्मीद के साथ अपनाना सीख रही हूं। उन्होंने आगे लिखा कभी-कभी ज़िंदगी ऐसा मोड़ ले लेती है जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी, और मैं इस बारे में सच बोलने में विश्वास रखती हूं। मैं अभी भी ठीक हो रही हूं, अभी भी अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन मैं उन तरीकों से भी आगे बढ़ रही हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

मैं आपके समर्थन और खासकर अपने माता-पिता और परिवार की आभारी हूँ जो मेरे जीवन के हर फैसले में हमेशा मेरा साथ देते हैं। बता दें कि दिव्या ने ये संदेश अंग्रेजी में लिखा है।

कुछ दिन पहले ही सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलगाव की खबरें सामने आई थीं, जिससे उनके फैंस को झटका लगा था। अब दिव्या काकरान की पोस्ट ने एक बार फिर खेलप्रेमियों को भावुक कर दिया है।

व्यक्तिगत संघर्षों के बीच चमकता रहा दिव्या करियर

दिव्या काकरान ने कई बार मंचों पर महिला खिलाड़ियों के संघर्ष की बात उठाई है। निजी जीवन में आ रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने एशियन गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वहीं अब उनके तलाक की खबरों ने खेल जगत में सनसनी फैला दी है।

88 प्रतिशत से अधिक किसानों ने उठाया संतुलित उर्वरक-जिले में खाद-बीज की कोई कमी नहीं

थान खम्हरिया सेवा सहकारी समिति से किसानों को मिल रही भरपूर मदद, 5.78 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता वितरित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफ सीजन 2025 के अंतर्गत बेमेतरा जिले के कृषकों को संतुलित उर्वरक और उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। सेवा सहकारी समिति थान खम्हरिया के माध्यम से कृषकों को खाद-बीज का वितरण तेजी से किया जा रहा है, जिससे किसानों की खेती-किसानी को मजबूती मिली है। सेवा सहकारी समिति थान खम्हरिया अंतर्गत कुल 1850 केसीसी धारक कृषकों में से अब तक 1638 कृषकों ने संतुलित उर्वरक का सफलतापूर्वक उठाव कर लिया है, जो कुल संख्या का 88 प्रतिशत से अधिक है। किसानों को यूरिया 332.50 मीट्रिक टन, डीएपी 131.85 मीट्रिक टन, एसएसपी 134.75 मीट्रिक टन, पोटाश 65 मीट्रिक टन, एवं एनपीके 205 मीट्रिक टन सहित कुल 869.10 मीट्रिक टन संतुलित उर्वरक उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्नत किस्म के प्रमाणित धान बीज जैसे स्वर्णा 150 क्विंटल एवं महामाया 22.50 क्विंटल का भी किसानों ने उठाव किया है, जिससे जिले में धान की खेती सशक्त रूप से संचालित की जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चलाई जा रही किसान हितैषी योजनाओं के तहत सेवा सहकारी समिति थान खम्हरिया के माध्यम से अब तक कृषकों को जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर खाद, बीज एवं नगद राशि के रूप में कुल 5.78 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। समिति प्रबंधक ने बताया कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में किसानों को डीएपी के वैकल्पिक उपयोग हेतु एसएसपी, यूरिया, पोटाश एवं एनपीके जैसे अन्य संतुलित उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। लगातार जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को संतुलित उर्वरक अपनाने की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है, जिससे लक्ष्य का 88 प्रतिशत वितरण सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है।

खाद-बीज की कोई कमी नहीं-जिले में उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता पूरी तरह से संतोषजनक है। किसानों को समय पर खाद-बीज की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे खेतों में समयबद्ध रूप से कार्य हो रहा है और कृषक भाई निश्चिंत होकर खेती कार्यों में जुटे हुए हैं। इस पहल से किसानों में उत्साह है और वे राज्य शासन के प्रयासों की सराहना कर रहे हैं।

बिजली बिलों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस का हमला तेज, सड़क से सदन तक लड़ाई का ऐलान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय बेरला रोड स्थित राजीव भवन कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने प्रदेश में बिजली बिलों में हो रही लगातार वृद्धि को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला।

छाबड़ा ने कहा कि ÷भाजपा सरकार की अदूरदर्शी और जनविरोधी नीतियों ने आम जनता को महंगाई की दोहरी मार झेलने पर मजबूर कर दिया है। खासकर बिजली बिलों में की जा रही बेहताशा बढ़ोतरी ने मध्यम वर्ग, गरीबों और किसानों की कमर तोड़ दी है।÷ उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी। ÷हम सड़क से लेकर सदन तक इस मुद्दे को उठाएंगे। यदि सरकार नहीं चेती, तो जल्द ही जन आंदोलन किया जाएगा,÷ उन्होंने चेतावनी दी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रवींद्र चौबे भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि ÷भाजपा सरकार के इस कदम ने पहले से परेशान किसानों और गरीबों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। बढ़े हुए बिजली बिलों ने आम उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति को और जर्जर कर दिया है।÷ प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने इस मौके पर जनता से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की अपील की।

कलेक्टर ने जिला कलेक्टोरेट में विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

समय पर कार्यालय आने, दस्तावेजों के व्यवस्थित रखरखाव एवं साफ-सफाई के लिए निर्देश

मुंगेली /मूक पत्रिका

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बुधवार को जिला कलेक्टोरेट परिसर स्थित विभिन्न शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति तथा कार्य प्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होने, दस्तावेजों के व्यवस्थित रखरखाव और कार्यालय में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्वाचन विभाग, श्रम, महिला एवं बाल विकास, खनिज, डिजिटल अभिलेखागार, खाद्य सहित विभिन्न विभागों के कार्यालयों का निरीक्षण किया और उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन समयबद्ध कार्य प्रणाली से ही संभव है। शासकीय कार्यालयों से जनता का सीधा संपर्क होता है, अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति, व्यवहार और कार्य के प्रति जिम्मेदारी प्रशासन की कार्यशैली का प्रतिबिंब होती है। कलेक्टर ने नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि समय पालन, पारदर्शिता और जवाबदेही शासन की प्राथमिकता है, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

128 प्रतिशत सिंगल सुपर फास्फेट एसएसपी वितरण, यूरिया, डीएपी, एमओपी और अन्य उर्वरकों का भी संतुलित स्टॉक एवं वितरण

सेमरिया सेवा सहकारी समिति में उर्वरक भंडारण और वितरण में बड़ी उपलब्धि

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफ सीजन 2025 में बेमेतरा जिले की सेवा सहकारी समिति सेमरिया ने उर्वरक भंडारण और वितरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। समिति द्वारा वर्ष 2024 की तुलना में इस वर्ष उर्वरकों का अधिक मात्रा में भंडारण एवं वितरण कर किसानों को लाभान्वित किया गया है। गत वर्ष जहां यूरिया का 413.55 मीट्रिक टन वितरण किया गया था, वहीं इस वर्ष अब तक 298.89 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण हो चुका है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 75% है। इसी प्रकार, सिंगल सुपर फास्फेट में तो रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में जहां 80 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट का वितरण हुआ था, वहीं इस वर्ष 102.40 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट का वितरण किया जा रहा है, जो कि 128% है। डीएपी की बात करें तो इस वर्ष 55 मीट्रिक टन का वितरण किया गया है। एमओपी का भी वितरण संतुलित रूप से किया गया है - पिछले वर्ष 55.10 मीट्रिक टन वितरण हुआ था और इस वर्ष भी 55.10 मीट्रिक टन का ही भंडारण किया गया है। इसके अतिरिक्त उर्वरक 20:20:0:13 का वितरण भी इस वर्ष बढ़ाया गया है। वर्ष 2024 में जहां 75 मीट्रिक टन का वितरण हुआ था, वहीं वर्ष 2025 में अब तक 139.95 मीट्रिक टन का भंडारण हो चुका है और उसका वितरण प्रगति पर है। सेवा सहकारी समिति सेमरिया में इस वर्ष 1257 पुराने सदस्यों के साथ 39 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। किसानों के एग्री-स्टैक पंजीयन हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 90त्न पंजीयन पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही केसीसी केसीसी धारक किसानों को खाद वितरण भी 90त्न तक किया जा चुका है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि सभी केसीसी धारक किसानों का बीमा भी किया जा चुका है, जिससे प्राकृतिक आपदा या अन्य संकट की स्थिति में उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा सके। सेमरिया सेवा सहकारी समिति की यह प्रगति न केवल किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराने में सफल रही है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जिला प्रशासन व कृषि विभाग की योजनाएं धरातल पर प्रभावी रूप से कार्य कर रही हैं।

वाईआरएफने जारी किया 'वॉर 2' का नया पोस्टर – 30 दिन का काउंटडाउन शुरू

यशराज फिल्म्स की सबसे बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'वॉर 2' अब महज 30 दिन दूर! वाईआरएफस्पाय यूनिवर्स का यह धमाकेदार चैप्टर इस साल की सबसे बड़ी एक्शन स्पेक्टेकल साबित होने जा रहा है

जित मुंबई/मूक पत्रिका

अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित इस मेगा-प्रोजेक्ट में ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी की तिकड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी। फिल्म 14 अगस्त को हिंदी, तेलुगु और तमिल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वाईआरएफ ने हाल ही में 'वॉर 2' का नया पोस्टर जारी किया है जिसमें तीनों स्टार्स का दमदार लुक देखने को मिल रहा है। इस पोस्टर के साथ फिल्म के 30 दिन के काउंटडाउन की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है, और फैंस के बीच उत्साह चरम पर है। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की सबसे बड़ी टक्कर पेश करने वाली है – और माना जा रहा है कि यह 'पठान' और 'टाइगर' की विरासत को एक नए स्तर पर ले जाएगी।

शासकीय डेयरी पॉलीटेक्नीक के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मिल्क प्रोडक्टस को ग्राहकों का भारी प्रतिसात

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मटका चोरभट्ठी स्थित शासकीय डेयरी पॉलीटेक्नीक बेमेतरा के विद्यार्थियों द्वारा प्रायोगशाला में निर्मित डेयरी प्रोडक्टस रबडी, पेडा, पनीर एवं व्हे ड्रिंक को उपभोक्ताओं का भारी प्रतिसात मिल रहा है।

उल्लेखनीय है की डेयरी पॉलीटेक्नीक के विद्यार्थियों द्वारा प्रायोगशाला में विभिन्न प्रकार के दुग्ध उत्पादों का निर्माण किया जाता है और उन्हे विभिन्न स्थानों पर स्टाल लगा कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाता हैं। जिससे एक ओर जहां विद्यार्थियों को अपने द्वारा निर्मित डेयरी प्रोडक्टस की गुणवत्ता के बारे में उपभोक्ताओ की प्रतिक्रिया प्राप्त होती हैं तथा दुग्ध उत्पादों के विपरण का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाता हैं। वही दूसरी ओर उपभोक्ताओं को शुद्ध मिलावट रहित उत्कृष्ट स्तर के डेयरी उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध होते है। इस कड़ी में विद्यार्थियों द्वारा बेमेतरा कलेक्ट्रेट के सामने में स्टाल लगाया गया जहां उनके द्वारा निर्मित डेयरी प्रोडक्टस को उपभोक्ताओ ने हाथों-हाथ लिया एवं कुछ ही मिनटों में रबड़ी, पेड़ा, पनीर व्हे ड्रिंक जैसे उत्पाद समाप्त हुए। भविष्य में विद्यार्थियों द्वारा डेयरी प्रोडक्टस जैसे फ्लेवर्ड मिल्क, खोआ, रसगुल्ला, मीठा दही आदि का निर्माण कर बेमेतरा शहर के उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने की योजनाएं है।

आशा की किरण बनी "चिरायु योजना", तामेश्वरी की आंख का हुआ सफल ऑपरेशन

कलेक्टर ने प्रदान किया स्कूल बैग, रैन कोट सहित पाठ्य सामाग्री

मुंगेली/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत रायपुर स्थित मेकाहारा अस्पताल में कु. तामेश्वरी साहू की ऑख का सफल आपरेशन किया गया। योजना के तहत आर्टिफिशियल ऑख भी प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट में तामेश्वरी को स्कूल बैग, रैन कोट, टिफिन व पानी बॉटल सहित पाठ्य सामाग्री प्रदान कर शिक्षा की दिशा में वापस लौटने व मन लगाकर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। उन्होंने तामेश्वरी को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। समग्र शिक्षा अभियान पथरिया बीआरपी श्रीमती प्रिया यादव ने बताया कि एक छोटी सी घटना ने तामेश्वरी की आंखों से रोशनी छीन ली थी, किताब में कव्हर लगाने को लेकर तामेश्वरी का अपनी बहन के साथ कैंची को खींचातानी हुई, जिसमें तामेश्वरी की आंख में कैंची लगने से चोट आ गई। उन्होंने तामेश्वरी की स्थिति से चिरायु टीम की डॉ. ज्योति पाण्डेय को अवगत कराया। टीम द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया में जांच कराया गया, जिसके पश्चात चिकित्सकों द्वारा तामेश्वरी को जिला चिकित्सालय रामगढ़ रिफर किया गया और वहां से मेकाहारा रायपुर रिफर किया गया, जहां ईलाज और आपरेशन के बाद तामेश्वरी अब बिल्कुल स्वस्थ है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं को दी गई आत्मनिर्भरता और जीवन कौशल की प्रेरणा

विश्व युवा कौशल दिवस पर बेटियों के उज्जवल भविष्य हेतु कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा द्वारा ÷बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ÷ योजना अंतर्गत बेटियों के सशक्त भविष्य के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परियोजना बेरला के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहरसरी एवं पचभैया में आयोजित किया गया। कलेक्टर रणबीर शर्मा तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस सत्र का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल, आत्मनिर्भरता तथा कैरियर संबंधी आवश्यक जानकारियाँ प्रदान करना था। कार्यक्रम में विद्यालय की समस्त छात्राएं व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालिकाओं को बताया गया कि समय पर लिया गया सही निर्णय जीवन में सफलता की कुंजी होता है, अतः उन्हें अभी से लक्ष्य निर्धारित कर, उचित मार्गदर्शन के साथ अपने भविष्य को सशक्त बनाना चाहिए। इस अवसर पर एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर क्राइम, मासिक धर्म स्वच्छता एवं लैंगिक उत्पीड़न जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वीडियो के माध्यम से छात्राओं को जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी पैड एवं ÷संगिनी दीदी के गोठ÷ पुस्तक वितरित की गई, जिसमें माहवारी स्वच्छता एवं आत्म-संरक्षण से संबंधित जानकारी दी गई है। कार्यक्रम में 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत यह भी बताया गया कि कैसे किशोरियों को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए तैयार किया जा रहा है। इस आयोजन में महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम तथा विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने बेटियों को न केवल आत्मविश्वास से भरने का कार्य किया, बल्कि उन्हें जीवन की दिशा तय करने हेतु प्रेरित भी किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।